मंगलवार, 24 फरवरी 2026

मौसम

तापमान 20 – 31
आर्द्रता 58%
सूर्योदय: 06:03 सूर्यास्त: 17:37

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, फाल्गुन शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : स्थायी खुशी के लिए हर बात को सकारात्मक तरीके से सोचना चाहिए।

बैंक गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचना बंद करें, अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें: सीतारमण पृष्ठ 8

ममता के शासन में बंगाल की हालत से हूं 'दुखी', राज्य में बदलाव 'अपरिहार्य' : पीएम मोदी

- अवैध घुसपैठ और महिला सुरक्षा समेत उठाए कई मुद्दे, राजनीतिक और सांस्कृतिक विभुतियों को किया याद

पीएम ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को लिखा खुला पत्र, 'जय श्री राम' की जगह 'जय मां काली' से शुरू हुआ पत्र

नई दिल्ली/कोलकाता : विधानसभा चुनाव की घोषणा से कुछ सप्ताह पहले पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से सार्वजनिक अपील करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह ममता बनर्जी के मौजूदा शासन में राज्य के विभिन्न वर्गों के नागरिकों की पीड़ा से व्यथित हैं। प्रधानमंत्री ने 'विकसित पश्चिम बंगाल' का निर्माण करके हालात को सुधारने का संकल्प जताया। बांग्ला में लिखे एक खुले पत्र में, मोदी ने कहा कि राजनीतिक परिवर्तन 'अपरिहार्य' है, लेकिन मतदाताओं द्वारा एक 'सही निर्णय' राज्य को देश के बाकी हिस्सों में देखे गए तेज विकास के साथ जोड़ सकता है। पत्र में, मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति से लेकर फर्जी मतदाताओं, रोजगार की कमी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर निशाना बनाया। पत्र की शुरुआत उन्होंने 'जय मां काली' के उद्घोष के साथ की। प्रधानमंत्री ने चुनाव पूर्व किए गए वादों के तहत संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के माध्यम से शरणार्थियों को नागरिकता देने का वादा किया और राज्य की सीमाओं के माध्यम से घुसपैठ रोकने का संकल्प जताया। मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के भारत में बंगाल वित्तीय एवं औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में देश का अग्रणी केंद्र हुआ करता था। इसे इस कदर कमजोर और बीमार अवस्था में देखकर मुझे बहुत दुख होता है। छह दशकों के कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति से हुए अपूरणीय नुकसान का वर्णन करना असंभव है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां रोजगार के अवसरों की कमी के कारण युवाओं को दूसरे राज्यों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की महिलाएं सुरक्षा की कमी के कारण भयभीत और चिंतित हैं।

अपने पत्र में स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंद, सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे बंगाल की राजनीतिक और सांस्कृतिक विभुतियों का कई बार नाम लेते हुए, मोदी ने वर्तमान समय में 'पश्चिम बंगाल को जकड़े हुए अराजकता के अंधकार' पर अफसोस व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद और श्री अरविंद जैसे महान पूर्वजों द्वारा परिकल्पित पश्चिम बंगाल आज वोट बैंक की राजनीति, हिंसा और अराजकता से ग्रस्त है। उन्होंने पत्र में कहा कि इस राज्य की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जिनकी स्वतंत्रता की पुकार ने कभी पूरे देश को झकझोर दिया था, उनकी पवित्र भूमि आज घुसपैठ और महिलाओं पर अत्याचार से कलंकित है। फर्जी मतदाता वर्तमान में रवींद्रनाथ टैगोर के 'सोनार बांग्ला' पर हावी हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा कि पूरा देश पश्चिम बंगाल में व्याप्त अराजकता के अंधकार से चिंतित है। मोदी ने कहा कि हम कब तक चुप-चाप सहते रहेंगे? बदलाव अब अपरिहार्य है। अन्य राज्यों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है, युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। बंगाल को भी इस विकास का हिस्सा बनना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जनता की सेवा करने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने टैगोर की पंक्ति 'जहां मन भयमुक्त हो और सिर ऊंचा हो' का हवाला देते हुए 'भ्रष्टाचार और कुशासन' को समाप्त करने का वादा किया। मोदी ने कहा कि हम महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, काम के लिए पलायन को कम करेंगे और राज्य की पुरानी शान को बहाल करेंगे। धार्मिक उत्पीड़न का शिकार हुए शरणार्थी भाई-बहनों, जिन्होंने यहां शरण ली है, उन्हें सीएए के माध्यम से नागरिकता दी जाएगी और हम घुसपैठ रोककर कानून का शासन स्थापित करेंगे।

बंगाल की राजनीति के 'चाणक्य' कहे जाने वाले तृणमूल नेता मुकुल रॉय का निधन

71 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट से मौत, लंबे वक्त से चल रहे थे बीमार

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के किसी समय सबसे भरोसेमंद सहयोगी और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का रविवार की देर रात कोलकाता में एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। सुभ्रांशु रॉय ने बताया कि मुकुल रॉय ने सॉल्टलेक के एक अस्पताल में देर रात करीब 1.30 बजे अंतिम सांस ली। वह कई बीमारियों से जूझ रहे थे और पिछले दो वर्षों में कई बार अस्पताल में भर्ती रहे थे। परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें मनोभ्रंश भी हो गया था और हाल ही में वह कोमा में चले गए थे। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल से दो बार राज्यसभा सदस्य रहे मुकुल रॉय चार दशक लंबे राजनीतिक करियर में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और भाजपा का हिस्सा बने।

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन पर दुख जताया और कहा कि उन्हें उनके राजनीतिक अनुभव और समाज की सेवा करने की कोशिशों के लिए याद किया जाएगा। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन से दुख हुआ। उन्हें उनके राजनीतिक अनुभव और समाज की सेवा करने की कोशिशों के लिए याद किया जाएगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना।

मुख्यमंत्री ममता ने जताया शोक, लंबे राजनीतिक जुड़ाव को याद किया

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अनुभवी नेता मुकुल रॉय के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें लंबे समय का राजनीतिक सहयोगी और कई आंदोलनों में साथ लड़ने वाला साथी बताया। ममता ने 'एक्स' पर बांग्ला भाषा में किए पोस्ट में कहा कि वह रॉय के निधन से 'स्तब्ध और दुखी' हैं। उन्होंने याद किया कि रॉय ने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद से अथक रूप से काम किया था और पार्टी के सभी स्तरों पर स्वीकार्यता हासिल की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुभवी नेता मुकुल रॉय के अचानक निधन की खबर से मैं स्तब्ध और दुखी हूं। वह लंबे समय तक मेरे राजनीतिक सहयोगी रहे और अनेक राजनीतिक संघर्षों में मेरे साथी रहे हैं। उनके निधन की खबर से मेरा दिल टूट गया है। उन्होंने कहा कि मुकुल रॉय ने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के समय से ही अपना जीवन पार्टी को समर्पित कर दिया था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया और पार्टी के सभी स्तरों पर उन्हें स्वीकार्यता प्राप्त थी। ममता ने कहा कि बाद में, उन्होंने एक अलग राजनीतिक मार्ग चुना था, लेकिन फिर वह वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में उनके योगदान और संगठनात्मक कौशल को भुलाया नहीं जाएगा।

आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार: सेना ने किश्तवाड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया

- सेना बोली- 326 दिन तक ऑपरेशन चलाया, 7 आतंकी मारे
- किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा

जम्मू : सेना ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को मारकर क्षेत्र में ''आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार'' किया गया और यह बेहद चुनौतीपूर्ण भूभाग में 326 दिन तक चलाए गए सतत संयुक्त अभियान का परिणाम है। रविवार को किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन सदस्य मारे गए जिनमें संगठन का स्वघोषित कमांडर भी शामिल था। सेना ने बताया कि सैनिकों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में आतंकवादियों का पीछा किया। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''नागरिक और सैन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार मजबूत खुफिया तंत्र के आधार पर व्हाइट नाइट कोर, पुलिस और सीआरपीएफ ने पिछले लगभग एक वर्ष में अलग-अलग अभियानों के दौरान किश्तवाड़ के छात्रू क्षेत्र में सात आतंकवादियों को मार गिराया है।''

कोर ने इसे क्षेत्र में ''आतंकी नेटवर्क पर कड़ा प्रहार'' बताया। इसने कहा, ''किश्तवाड़ क्षेत्र में 326 दिन तक लगातार और बेहद चुनौतीपूर्ण भूभाग में संयुक्त अभियान चलाया गया, जिनमें जवानों ने कड़ाके की ठंड, बारिश और जमा देने वाले सर्द मौसम के बीच दुर्गम इलाकों में आतंकवादियों का पीछा किया। कई बार मुठभेड़ हुईं।''

भारत ने अफगानिस्तान क्षेत्र पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की निंदा की

नयी दिल्ली : भारत ने रविवार को अफगानिस्तान क्षेत्र में पाकिस्तान के ताजे हवाई हमलों की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत रमजान के पवित्र महीने के दौरान अफगान धरती पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित आम नागरिकों की मौत हुई है। जायसवाल ने इस मुद्दे पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, यह पाकिस्तान द्वारा अपनी आंतरिक विफलताओं का दोष भारत पर डालने का एक और प्रयास है। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपने समर्थन को दोहराता है।

ईरान में बढ़ता तनाव, भारत ने जारी की एडवाइजरी

नयी दिल्ली : ईरान और अमेरिका में जारी तनाव के बीच भारत ने ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इससे पहले पोलैंड और सर्बिया ने भी अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया था। अमेरिका ने पिछले 22 साल में मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ी सैन्य तैनाती की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्लामिक रिपब्लिक के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर सैन्य कार्रवाई की धमकी भी दे रहे हैं। इन्हीं सब चेतावनियों और धमकियों के बीच अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। ईरान में भारतीय दूतावास ने लिखा, भारत सरकार की 5 जनवरी 2026 की एडवाइजरी को जारी रखते हुए, और ईरान में बदलते हालात को देखते हुए, जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं (छात्र, तीर्थयात्री, बिजनेस करने वाले और टूरिस्ट) उन्हें सलाह दी जाती है कि वे कमर्शियल फ्लाइट समेत ट्रांसपोर्ट के मौजूद तरीकों से ईरान छोड़ दें।

आतंकवाद पर होगा निर्णायक 'प्रहार'

सरकार ने जारी की देश की पहली एंटी टेरर पॉलिसी

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की बहुस्तरीय रणनीति

साइबर अपराध, ड्रोन हमलों से निपटने पर विशेष जोर

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सोमवार को भारत की पहली व्यापक आतंकवाद-रोधी नीति जारी की। इसे 'प्रहार' नाम दिया गया है। इस नीति में सीमा पार से होने वाले आतंकवाद, साइबर हमलों, ड्रोन और उभरती तकनीकों के गलत इस्तेमाल जैसे खतरों का प्रमुखता से जिक्र किया गया है। नीति में यह भी बताया गया है कि केवल सीमा पार से होने वाला आतंकवाद ही खतरा नहीं है, बल्कि आपराधिक हैकर और अन्य राष्ट्र भी भारत को निशाना बना रहे हैं। नीति में कहा गया है कि भारत को जल, थल और वायु मार्गों से आतंकवादी खतरों का सामना करना पड़ता है। इसमें यह भी बतया गया है कि बिजली, रेलवे, विमानन, बंदरगाह, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु उर्जा जैसे अर्थव्यवस्था के अहम क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए क्षमताएं विकसित की गई हैं। मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए रणनीति दस्तावेज में कहा गया है कि भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से जोड़कर नहीं देखता। इसमें यह भी कहा गया है कि देश लंबे समय से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है, जिसमें जिहादी आतंकवादी संगठन और उनके मुखौटा संगठन लगातार हमलों की योजना बना रहे हैं। नीति में अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों के नाम का भी जिक्र किया गया है और कहा गया है कि ये जासूसों (स्लीपर सेल) के जरिये भारत में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि कईधशों से कट्टरपंथी आतंकवाद को बढ़ावा देने की साजिश रच रहे हैं। नीति में यह भी बताया गया है कि सीमा पार से साजिशकर्ता उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। आतंकवादी समूह अब संगठित आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल अपने संचालन और नई भर्ती के लिए कर रहे हैं। दस्तावेज में बताया गया है कि डिजिटल मोर्चे पर आतंकवादी सोशल मीडिया, इंस्टेट मैसेजिंग एप, एन्क्रिप्शन टूल, डार्क वेब और क्रिप्टो वॉलेट का इस्तेमाल कर प्रचार, धन जुटाने और संचालन संबंधी मार्गदर्शन के लिए कर रहे हैं। इससे उनकी गतिविधियां गुमनाम बनी रहती हैं। नीति में कहा गया है कि रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल, परमाणु विस्फोटक, डिजिटल (सीबीआरएनईडी) सामग्री तक आंतकवादियों की पहुंच और उसका उपयोग करने के प्रयासों को रोकना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। ड्रोन और रोबोट का घातक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करना भी चिंता का विषय है।

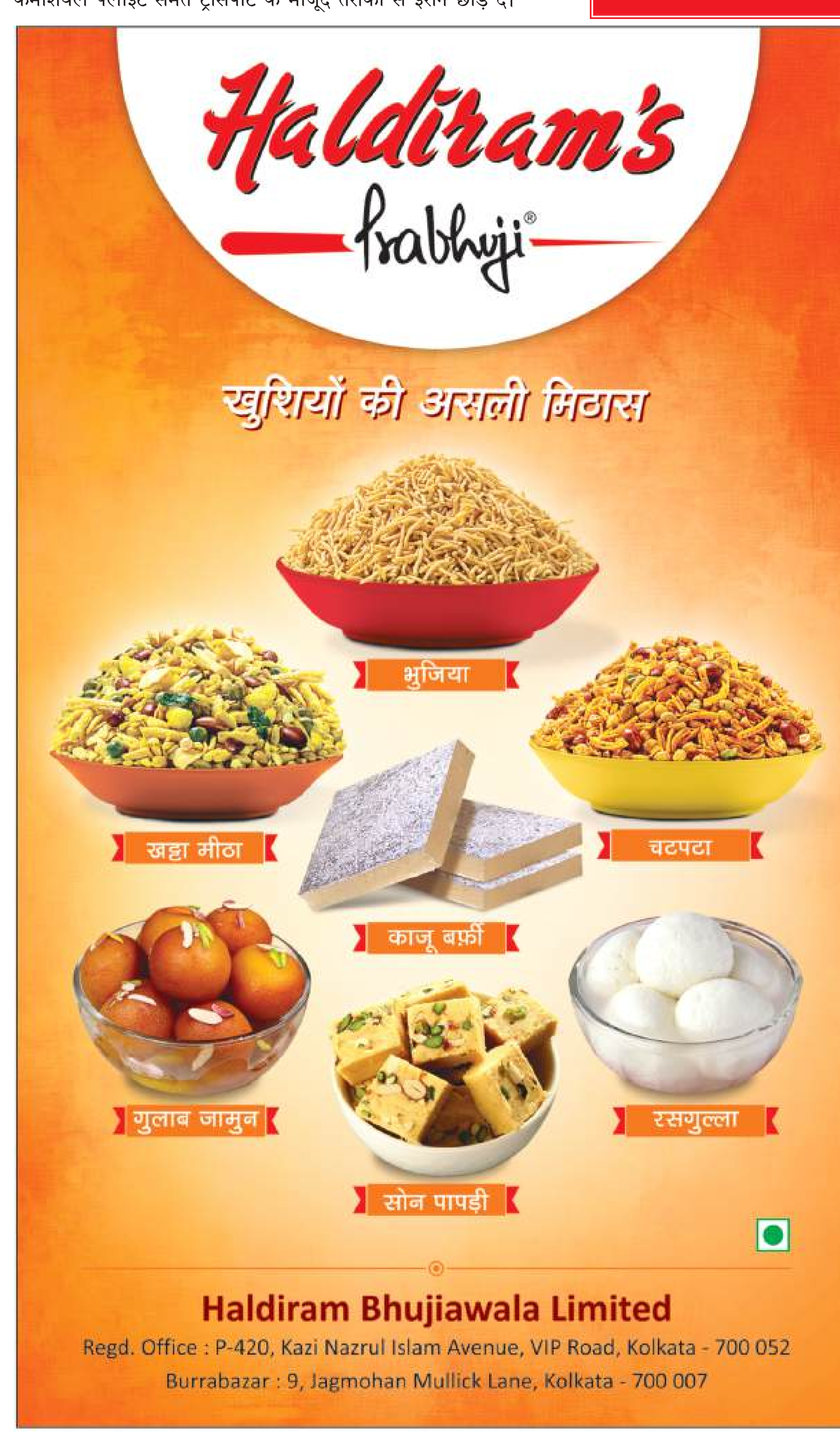

नये नियमों का सख्ती से पालन जरूरी

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है।

दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुर्माना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों तथा नागरिक कल्याण संगठनों के बीच बेहतर तालमेल भी इस दिशा में कारगर भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास के साथ होने वाली उपभोग की वृद्धि और परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से शहरी अवसंरचना में सुधार के लिये की गई पहल, सही दिशा में एक कदम है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि नीति-निर्माताओं द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दिए बिना भारत के शहर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिये संघर्ष करते रहेंगे। ऐसे में ठोस कचरे से मुक्त भारत लक्ष्य महज एक सपना मात्र बनकर रह सकता है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक-सुनियोजित प्रयास दीर्घकाल में सार्थक साबित हो सकता है।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

योगी सरकार ने सिंगापुर में किये 6650 करोड़ के समझौते

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल विदेश दौरे पर हैं। उनका यह दौरा आज 23 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा, जिसमें योगी को पहले दो दिन सिंगापुर और उसके बाद दो दिन जापान में गुजारना है। इसी क्रम में आज सिंगापुर पहुंचते ही सीएम योगी ने निवेशकों के साथ गहन चर्चा की और जी-टू-बी बैठकों का आयोजन भी किया गया,जिसमें 33 वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई, जहां सीएम ने उत्तर प्रदेश की स्थिर नीतियों, मजबूत कानून व्यवस्था और बेहतर बुनियादी ढांचे की ताकत बताई। पहले ही दिन तीन महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनकी राशि छह हजार छह सौ पचास करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन समझौतों से शहरी विकास, स्मार्ट शहर परियोजनाएं, जल प्रबंधन और कौशल विकास के क्षेत्रों में प्रगति होगी। सिंगापुर के गृह मंत्री और विदेश मंत्री से उनकी भेंट ने राजनयिक स्तर पर भी मजबूती प्रदान की। उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित कर प्रदेश के अवसरों से अवगत कराया और निवेश का भरोसा जगाया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को निर्माण केंद्र और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना था। योगी ने निवेशकों को बताया कि प्रदेश में एकल खिड़की प्रणाली से अनुमोदन प्रक्रिया सरल हो गई है, बिजली-पानी की आपूर्ति निर्बाध है और एक्सप्रेसवे तथा औद्योगिक पार्कों का जाल बिछ चुका है। सिंगापुर जैसे विकसित देश ने हमेशा प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, इसलिए वहां से प्राप्त सहयोग प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा। रोड शो के माध्यम से उन्होंने निवेशकों को आमंत्रित किया और प्रदेश की 36 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था को नई गति देने का वादा किया। पिछले वैश्विक निवेशक समिट में 35 लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले थे, जिन पर कार्य शुरू हो चुका है, और यह दौरा उसी श्रृंखला का हिस्सा था। सिंगापुर से लौटते हुए योगी ने कहा कि यह यात्रा निवेश की नई लहर लाएगी, जो लाखों नौकरियां पैदा करेगी।

जापान प्रवास के दौरान योगी आदित्यनाथ ने यमनाशानी प्रांत के राज्यपाल से भेंट की और उच्च गति रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। जापान की उन्नत रेल प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश के लिए वरदान साबित हो सकती है, खासकर मगलेव ट्रेन जैसी परियोजनाओं के लिए। उन्होंने वहां भारतीय समुदाय के साथ सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किया और निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला। जापान के निवेशक निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में रुचि दिखा रहे हैं। योगी ने जापानी कंपनियों को प्रदेश के विशाल बाजार और कुशल श्रमिकों के बारे में बताया। इस दौरे से प्राप्त प्रतिबद्धताएं ऊर्जा, परिवहन और तकनीकी क्षेत्रों को मजबूत करेंगी। जापान जैसे देश से निवेश आने से प्रदेश का निर्यात बढ़ेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उत्तर प्रदेश की स्थिति मजबूत होगी। कुल मिलाकर, चार दिनों में हुई बैठकों ने दर्जनों संभावनाएं खोली हैं, जो राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगी।

इस यात्रा से उत्तर प्रदेश को निवेश के अलावा अन्य लाभ भी मिले। सिंगापुर से प्राप्त समझौते जल प्रबंधन में नई तकनीक लाएंगे, जो गंगा सफाई और नदी जोड़ परियोजनाओं को गति देंगे। कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी से युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे बेरोजगारी कम होगी। जापान से उच्च गति परिवहन प्रौद्योगिकी हासिल होने से एक्सप्रेसवे और मेट्रो परियोजनाएं तेज होंगी। योगी सरकार ने पहले ही निवेश नीतियों को सरल बनाया है, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ। प्रदेश अब निवेशकों का भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है, जहां भूमि बैंक, सस्ती बिजली और सुरक्षा का वातावरण उपलब्ध है। इस दौरे ने वैश्विक ब्रांडों का विश्वास बढ़ाया, जैसा कि वित्तीय वर्ष में सैकड़ों परियोजनाओं से स्पष्ट है। निवेश से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग लगेंगे, जिससे प्रवासन रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा 2017 के म्यांमार दौरे के बाद पहली थी, जो दर्शाता है कि सरकार विदेशी निवेश पर कितना जोर दे रही है। सिंगापुर और जापान जैसे देशों से निवेश आने से प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद बढ़ेगा और एक ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य साकार होगा। निवेशकों ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की प्रशंसा की, जो योगी के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यात्रा से लौटकर योगी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और प्राप्त प्रतिबद्धताओं को जमीन पर उतारने के निर्देश दिए। इन निवेशों से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में प्रगति होगी। लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा, खासकर लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में। ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा परियोजनाएं लगेंगी, जो किसानों की आय दोगुनी करेंगी। कुल 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ गई यात्रा ने सभी क्षेत्रों को कवर किया।

इस दौरे की सफलता से उत्तर प्रदेश वैश्विक पटल पर चमकेगा। निवेश के अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जापान के राज्यपाल के साथ चर्चा से सांस्कृतिक केंद्र स्थापित हो सकते हैं। सिंगापुर की स्मार्ट सिटी तकनीक से प्रदेश के शहर आधुनिक बनेंगे। योगी ने निवेशकों को आश्वासन दिया कि सभी प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही होगी। यह यात्रा न केवल आर्थिक लाभ देगी, बल्कि राज्य की छवि को नया आयाम भी प्रदान करेगी। भविष्य में ऐसे और दौरे होंगे, जो प्रदेश को भारत का इंजन बनाएंगे। निवेश से उद्योग धंधे लगेंगे, बाजार फूलेंगे और कल्याणकारी योजनाएं मजबूत होंगी। योगी आदित्यनाथ का विजन स्पष्ट है- विकसित उत्तर प्रदेश, जो विश्व गुरु भारत का आधार बने। इस दौरे ने सिद्ध कर दिया कि मेहनत और दूर दृष्टि से असंभव कुछ नहीं। प्रदेशवासी गर्व से कह सकते हैं कि उनका राज्य अब वैश्विक निवेश का केंद्र है।

-वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल के धाडिंग में बस दुर्घटना में 17 लोगों की मौत

काठमांडू : नेपाल के धाडिंग जिले में गजुरी के पास रविवार देर रात एक यात्री बस के त्रिशूली नदी में गिर जाने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता बिष्णु प्रसाद भट्ट के अनुसार, पोखरा से काठमांडू आ रही बस रविवार देर रात डेढ़ बजे काठमांडू से करीब 90 किलोमीटर पश्चिम में पृथ्वी राजमार्ग पर त्रिशूली नदी में जा गिरी, जिससे कई यात्री हताहत हो गए। भट्ट ने बताया कि दुर्घटनास्थल से 17 शव बरामद किए गए हैं और बस से 28 घायल यात्रियों को निकाला गया। उन्होंने बताया कि घायल यात्रियों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बचाव कार्य में नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के कर्मियों को लगाया गया है। हादसे में मारे गए लोगों में एक पुरुष यात्री न्यूजीलैंड का था। घटना में घायल लोगों में जापान और नीदरलैंड की एक-एक महिला शामिल है। पुलिस ने कहा कि हादसे का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन संभवतः अत्यधिक तेज गति से वाहन चलाए जाने के कारण यह हादसा हुआ।

आज का पंचांग

कोलकाता : 24 फरवरी, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, फाल्गुन शुक्लपक्ष सप्तमी, 07:02 तक, नक्षत्र : कृत्तिका, 15:06 तक, योग : इंद्र, 07:15 तक, सूर्योदय: 06:05, सूर्यास्त: 17:36, चन्द्रोदय : 10:27, चन्द्रास्त: 24:35, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कुम्भ, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 14:41 से 16:07

राशिफल

मेष : आज आप ऑफिस में एक 'स्तंभ' की तरह देखे जाएंगे। स्थिरता और कठिन परिस्थितियों में शांत रहने की क्षमता वरिष्ठों को प्रभावित करेगी। नेतृत्व क्षमता आज निखर कर सामने आएगी।

वृष : आपकी अपनी राशि में चंद्रमा का होना आपको गजब का आत्मविश्वास देगा। आप केवल काम का हिस्सा नहीं रहेंगे, बल्कि आज आप नए नियम तय करेंगे।

मिथुन : आज आप पूरी तरह 'योजना बनाने' के मूड में रहेंगे। मानसिक व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन आप कार्यों को कुशलता-पूर्वक दूसरों को सौंपने में सफल होंगे।

कर्क : टीमवर्क और सामाजिक संपर्कों से आज आपको बड़ा लाभ होगा। आपके पास जटिल समस्याओं का मनोवैज्ञानिक समाधान होगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह : यह आपके पेशेवर जीवन का 'पावर डे' है।करियर की नई ऊंचाइयां हासिल करने का मौका मिलेगा और आपकी सलाह को हर तरफ पहचान मिलेगी।

कन्या : दार्शनिक समझ और व्यावहारिक ज्ञान आज आपकी सफलता का आधार बनेंगे। आप 'बड़ी तस्वीर' देख पाएंगे, जिससे भविष्य की जटिल योजनाएं बनाना आसान होगा।

तुला : आज आप एक 'कुशल रणनीतिकार' की भूमिका में रहेंगे। आप उन गुप्त प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगे जो भविष्य में बड़े परिणाम देंगे। ऑफिस की राजनीति से दूर रहकर काम पर ध्यान दें।

वृश्चिक : साझेदारी के कामों में आज आपको जबरदस्त सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण डील्स और नए कॉन्ट्रैक्ट्स पर साइन करने के लिए दिन सबसे अच्छा है। लोग आप पर भरोसा करेंगे।

धनु : कार्यकुशलता आज आपकी सबसे बड़ी ताकत है। आप पुराने अधूरे कामों को बिजली की गति से निपटाने में सफल होंगे। छोटे बिलों का भुगतान करके आप मानसिक शांति पाएंगे।

मकर : करियर: क्रिएटिव कार्यों में आज आपकी विशिष्ट छाप स्पष्ट रूप से दिखेगी। आप अपने प्रत्येक कार्य को अत्यंत कलात्मकता और निपुणता के साथ पूर्ण करेंगे।

कुम्भ : आप आज 'योजना के साथ चलने वाले दूरदर्शी' साबित होंगे। घर से काम करने वाले जातकों या रियल एस्टेट और निर्माण से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है।

मीन : आपकी संवाद शैली और साहस आज नए अवसरों के द्वार खोलेंगे। प्रेजेंटेशन और मीटिंग्स में आपकी बात बड़े ध्यान से सुनी जाएगी और मानी जाएगी।

विदेश की खबरें

रूस अपने भविष्य, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा : पुतिन

मॉस्को : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि मॉस्को अपने भविष्य, आजादी, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा है। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चार साल पूरे होने से एक दिन पहले आई है। रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस साल युद्ध में उस कुछ बड़े झटके लगे हैं, जिनमें वोतकिंस्क में पिछले हफ्ते उसकी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल फैक्टरी पर हुआ भीषण हमला शामिल है। पुतिन ने सशस्त्र बलों के अधिकारियों को 'गोल्ड स्टार ऑफ हीरो ऑफ रशियन फेडरेशन' सम्मान प्रदान करने से पहले कहा, रूस अपने भविष्य, आजादी, सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहा है। और इस संघर्ष में अग्रिम मोर्चे पर बेहद मजबूत, साहसी और निस्वार्थ लोग तैनात हैं, जिनमें सशस्त्र बलों के सैनिक एवं अधिकारी, नेशनल गार्ड के सदस्य, आंतरिक मामलों के मंत्रालय के कर्मी तथा विशेष सेवाएं एवं इकाइयां शामिल हैं। आधुनिक रूस में 23 फरवरी की तारीख को परंपरागत रूप से सोवियत सेना और नौसेना दिवस की निरंतरता के रूप में पितृभूमि रक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले, पितृभूमि रक्षक दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि 23 फरवरी को देश में कई दशकों से सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवकाशों में से एक के रूप में मनाया जाता रहा है। उन्होंने कहा, रूसी सैनिकों की मौजूदा पीढ़ी अपने पूर्वजों से विरासत में मिली वीरता और सम्मान की परंपराओं को आगे बढ़ा रही है।

यूनुस ने मुझे पद से हटाने की कोशिश की थी : बांग्लादेश के राष्ट्रपति शहाबुद्दीन

ढाका : बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने खुलासा किया है कि पूर्ववर्ती अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने उन्हें कई बार पद से हटाने की कोशिश की थी। शहाबुद्दीन ने यह खुलासा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व में सरकार गठित होने के कुछ दिन बाद किया है। राष्ट्रपति ने प्रमुख बांग्ला अखबार 'कालेर कंठो' में रविवार को प्रकाशित साक्षात्कार में कहा कि अंतरिम सरकार ने 18 महीनों के कार्यकाल के दौरान वह 'कहीं किसी चर्चा में नहीं रहे, लेकिन उनके खिलाफ कई साजिशें रची गईं'। शहाबुद्दीन ने कहा कि उन्हें सशस्त्र बलों के प्रमुखों से 'उच्चतम स्तर का समर्थन' मिला, जो 'समय-समय पर मेरे पास आए और मेरा मनोबल बढ़ाया'। राष्ट्रपति ने कहा, 'उन्होंने मुझसे सिर्फ एक ही बात कही थी - 'महामहिम, आप सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर हैं। आपकी हार का अभिप्राय पूरे सशस्त्र बलों की हार होगी। हम हर कीमत पर इसे रोकेंगे' और अंत में, उन्होंने ठीक वैसा ही किया।' शाहबुद्दीन ने कहा, 'यूनुस के शासनकाल के दौरान संविधान को रद्द करने के कई प्रयास किए गए।' उन्होंने कहा, 'मुझे कई तरह से पद से हटाने की कोशिश की गई, लेकिन मैं किसी भी परिस्थिति में नहीं टूटा।'

वर्ग पहेली नं. 3361

1		2	3	■	4		5	■	6
	■	7		8		■	9		
10	11		■	12		13	■	■	
14		■	15		■	16		17	
■	18			■	19		■		■
20		■	21		■	22	23		24
■	25	26		■	27	■		■	
28	■		■	29		30	■	■	
31					■	32			

बायें से दायें:- 1) सकुशल, 4) चमत्कार, 7) क्षतिपूर्ति, 9) एक *(सूर्योदयी)* देश), 10) प्रबल, 12) भाँति, 14) दाँत, 15) संख्या, 16) अकबरकालीन एक प्रसिद्ध गायक, 18) तक़दीर; भाग्य, 19) दो से विभाज्य एक संख्या, 20) कोटि; प्रकार, 21) मौलवी, 22) वैमनस्य, 25) एक भाषा, 29) लँगड़े का सहारा, 31) मृणाल, 32) सादगी.

ऊपर से नीचे:- 1) संपूर्णतः, 2) राजप्रासाद, 3) गीला, 4) एक दानेदार फल, 5) वाद्य, 6) मित्रताभंग, 8) बुद्ध के जन्मों की कहानी; नवजात शिशु, 11) दुर्भाग्यशाली, 13) मारे हुए और घायल, 15) मौत का घंटा, 17) स्वास्थ्य, 23) धुन्नी; मध्य, 24) अनैतिक, 26) उपमा; उदाहरण, 27) अनाज का सूखा छिलका, 28) मुनासिब ढंग से, 29) एक पालतू पशु, 30) जेब.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ज	हाँ	क्रा	त	हाँ	■	स	भा	स	द
■	■	ति	■	का	ट	ना	■	सु	■
ब	ढ़	क	र	■	र	त	ना	र	■
टु	■	■	च	र्म	■	न	ग	■	ना
आ	ना	जा	ना	■	बी	■	पं	चां	ग
■	स्ति	■	■	स	च	मु	ब	■	वा
अं	क	ग	णि	त	■	■	मी	ट	र
जा	■	ह	■	त	मी	ज़	■	ह	■
म	हा	रा	ष्ट्र	■	न	■	वि	नी	त

सुडोकू-पहेली-3319

2				7	5			
	4					6		
3			2					
		9		6				
5							8	
		7			8		9	6
			6		1		5	9
1			5			4		
			4		2			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3318 का उत्तर

3	2	7	1	4	6	9	5	8
9	1	4	5	7	8	2	6	3
6	5	8	2	3	9	7	1	4
2	6	5	7	1	3	8	4	9
4	7	1	9	8	2	5	3	6
8	3	9	6	5	4	1	7	2
5	9	2	4	6	1	3	8	7
1	8	6	3	2	7	4	9	5
7	4	3	8	9	5	6	2	1

बंगाल के राजनीतिक इतिहास के एक युग का अंत : अभिषेक बनर्जी

❑ विधानसभा में मुकुल रॉय के पार्थिव शरीर को दी गई श्रद्धांजलि

❑ तृणमूल कांग्रेस, भाजपा समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने मुकुल रॉय को दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा : वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय के निधन पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुकुल रॉय के निधन से राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युग का अंत हो गया है। व्यापक अनुभव वाले एक अनुभवी नेता के रूप में उनके योगदान ने राज्य की सार्वजनिक और राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण चरण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक स्तंभों में से एक के रूप में उन्होंने संगठन के प्रारंभिक वर्षों में इसके विस्तार और सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक जीवन के प्रति उनके समर्पण को प्रशंसा के साथ याद किया जाएगा। मैं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर को राज्य विधानसभा परिसर ले जाया गया, जहां तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के उनके पूर्व सहयोगियों ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न दलों के नेताओं ने भी मुकुल रॉय के निधन पर शोक व्यक्त किया। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रॉय के निधन पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। ओम शांति। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और प्रदीप भट्टाचार्य ने भी रॉय के निधन पर शोक व्यक्त किया।

❑ हालीशहर श्मशान में हुआ मुकुल रॉय का अंतिम संस्कार, अभिषेक रहे मौजूद

वरिष्ठ राजनीतिज्ञ मुकुल रॉय का अंतिम संस्कार सोमवार की शाम उत्तर 24 परगना जिले के हालीशहर श्मशान घाट में किया गया है। यहां अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी मुकुल रॉय के बेटे शुभ्रांशु राय के साथ लगातार मौजूद रहे। सोमवार को सूचना मिलते ही अभिषेक बनर्जी ने उनके पुत्र शुभ्रांशु को फोन कर संवेदना व्यक्त की और अंतिम संस्कार की व्यवस्था में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया के दौरान अभिषेक बनर्जी मौजूद रहे। विधानसभा में मुकुल रॉय के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद जब पार्थिव शरीर को अंतिम बार बीजपुर स्थित उनके आवास ले जाया गया, तब भी अभिषेक वहां पहुंचे। घर के बाहर समर्थकों और लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। बीजपुर से हालीशहर महाश्मशान तक निकाली गई शोक यात्रा में अभिषेक बनर्जी, पार्थ भौमिक और शिउली साहा सहित कई नेता मौजूद थे। हालीशहर महाश्मशान में ही मुकुल रॉय का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

मुकुल राय के निधन पर सियासत तेज, फिरहाद हाकिम ने भाजपा पर लगाया मानसिक दबाव का आरोप

कोलकाता : वरिष्ठ नेता मुकुल राय के निधन के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कोलकाता के मेयर और राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के मानसिक दबाव और कथित भय के कारण मुकुल राय की स्थिति बिगड़ी।

फिरहाद हाकिम ने कहा, भाजपा ने जेल भेजने का डर दिखाकर मुकुल दा को अपने दल में शामिल कराया था। उन्हें लगातार भयभीत किया गया। उसी दिन से उनकी अंदरूनी लड़ाई शुरू हो गई थी। वह लगातार संघर्ष कर रहे थे। आज उनकी मृत्यु हो गई। जिम्मेदार कौन है?

राजनीतिक हलकों में पहले भी चर्चा रही है कि मुकुल राय ने 2017 में दबाव की परिस्थितियों में भाजपा का दामन थामा था। बाद में वह तृणमूल कांग्रेस में लौट आए थे। फिरहाद हाकिम का आरोप है कि दल बदलने के बाद भी भाजपा का दबाव उन पर बना रहा।

हालांकि, भाजपा की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। मुकुल राय के निधन के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

सरकारी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, स्वास्थ्य विभाग ने जताई नाराजगी

कोलकाता : राज्य के सरकारी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही के आरोप सामने आए हैं। इस मुद्दे पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी नाराज़गी जताते हुए राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और विभिन्न जिलों के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारियों को सख्त भाषा में पत्र भेजा है।

सूत्रों के अनुसार, स्वास्थ्य भवन की समीक्षा में पाया गया कि कई अस्पतालों की फायर सेफ्टी निरीक्षण रिपोर्ट में गंभीर विसंगतियां हैं। अस्पताल स्तर की फायर सेफ्टी कमेटी द्वारा तैयार निरीक्षण रिपोर्ट में जो जानकारी दी गई, वही जानकारी स्वास्थ्य भवन को भेजी गई रिपोर्ट से मेल नहीं खाती। यहां तक कि

जिस दिन फायर सेफ्टी रिव्यू किया गया, उसकी तारीख के बजाय दूसरी तारीख दर्ज करने के आरोप भी लगे हैं।

आरोप है कि कई अस्पतालों के पास पूर्ण फायर सेफ्टी क्लीयरेंस नहीं है। कुछ इमारतें फायर सेफ्टी मानकों पर खरी नहीं उतरीं, जबकि कुछ को आंशिक मंजूरी मिली है। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कई पुराने अस्प-ताल भवन घनी आबादी वाले इलाकों में स्थित हैं, जहां अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल का समुचित पालन नहीं हो रहा है।

स्वास्थ्य भवन ने सभी संबंधित अधिकारियों को सात दिनों के भीतर नए सिरे से निरीक्षण कर अद्यतन फायर सेफ्टी रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट न भेजने पर इसे 'नॉन-कम्प्लायंस' माना जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अस्पताल प्रशासन शाखा के अनुसार, मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए इस मामले में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसआईआर और बूथ सुरक्षा मामले में राज्य व आयोग के जवाब पर पलट हलफनामा दायर करेंगे शमीक भट्टाचार्य

कोलकाता : राज्य में एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई जारी है। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल ने इस प्रक्रिया की केंद्रीय निगरानी के लिए दो न्यायाधीशों की एक समिति गठित की है। इस समिति में न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी शामिल हैं।

इसी बीच राज्य के चुनावी बूथों की सुरक्षा से जुड़े मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के हलफनामों के जवाब में पलट हलफनामा दाखिल करना चाहते हैं। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है।

राज्य में करीब 80 हजार चुनावी बूथ हैं, जिनकी संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि बूथों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर अदालत की निगरानी आवश्यक है, ताकि पूर्व चुनावों जैसी समस्याएं दोबारा न हों।

निर्वाचन आयोग ने पहले बताया था कि राज्य के चुनावी बूथों पर सुरक्षा, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी सुविधाओं की जांच के लिए एनबीसीसी को जिम्मेदारी दी गई है। बुधवार को मामले की दोबारा सुनवाई हुई, जहां याचिकाकर्ता की ओर से अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने की इच्छा जताई गई।

खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि एक सप्ताह के भीतर अतिरिक्त हलफनामा दाखिल किया जाए, जिसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई होगी।

भूपतिनगर विस्फोट मामले में राज्य सरकार को झटका,

सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए जांच पर रोक की याचिका खारिज की

कोलकाता : पूर्व मेदिनीपुर के भूपतिनगर स्थित पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए जांच पर रोक लगाने की पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी। सोमवार को न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराए जाने योग्य नहीं है। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ राज्य की आपत्ति क्या है। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता और उसी आदेश को बरकरार रखा। उल्लेखनीय है कि भूपतिनगर विस्फोट मामले में ममनी जना नामक एक महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने दावा किया था कि विस्फोट में उनका परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है। उन्होंने थाने में गंभीर अपराध की शिकायत दर्ज कर एनआईए जांच की मांग की थी। पिछले वर्ष 9 दिसंबर को हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने निर्देश दिया था कि ऐसे मामलों में पुलिस शिकायत राज्य सरकार को भेजेगी, राज्य उसे केंद्र सरकार को अग्रेषित करेगा और केंद्र 15 दिनों के भीतर यह निर्णय लेगा कि एनआईए जांच होगी या नहीं। इसी आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी, जिसे सोमवार को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद भूपतिनगर विस्फोट मामले में एनआईए जांच का रास्ता साफ हो गया है।

ममता ने मणिपुरी फिल्म बूंग को बाफ्टा पुरस्कार मिलने पर बधाई दी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मणिपुरी फिल्म 'बूंग' को बाफ्टा पुरस्कार मिलने पर इसके कलाकारों और निर्माताओं को बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि फिल्म ने 'सभी बाधाओं के बावजूद' इतिहास रच दिया। फिल्म से जुड़े लोगों को बधाई देते हुए ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने 2026 के बाफ्टा पुरस्कारों में इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि सभी बाधाओं के बावजूद, इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म का पुरस्कार मिला और यह इस प्रतिष्ठित श्रेणी में पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बूंग के सभी कलाकारों और निर्माताओं को मेरी हार्दिक बधाई। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

भाजपा का मिशन बंगाल : एक मार्च को 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाएंगे गृह मंत्री अमित शाह

चुनाव से पहले पार्टी का बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचने की कवायद

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक मार्च को दक्षिण 24 परगना जिले से भाजपा के 'परिवर्तन यात्रा' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाएंगे। यह यात्रा पार्टी के राज्यव्यापी अभियान की औपचारिक शुरुआत होगी। कार्यक्रम के अनुसार, पहली 'परिवर्तन यात्रा' एक मार्च की सुबह दक्षिण 24 परगना जिले के रायदिघी विधानसभा क्षेत्र से शुरू होगी, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश कमेटी के एक

सदस्य के मुताबिक, प्रदेश के चार अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से एक ही दिन में चार और समानांतर 'परिवर्तन यात्राएं' एक साथ शुरू की जाएंगी। इनमें कूचबिहार जिले में कूचबिहार दक्षिण, नदिया जिले में कृष्णनगर दक्षिण, पश्चिम बर्दवान जिले में कुल्टी और पश्चिम मेदिनीपुर जिले में गड़बेता शामिल हैं। इसके बाद, 2 मार्च को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली विधानसभा क्षेत्र से एक और परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। भाजपा प्रदेश कमेटी के सदस्य ने बताया कि उसी दिन, उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर, हावड़ा जिले के आमता और बीरभूम जिले के हंसन से तीन और समानांतर परिवर्तन यात्राएं शुरू की जाएंगी। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि ये परिवर्तन यात्राएं राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव से पहले पार्टी के बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचने के अभियान का हिस्सा हैं। गृह मंत्री अमित शाह और शिवराज सिंह चौहान के अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के अलग-अलग स्तर पर परिवर्तन यात्रा अभियान में हिस्सा लेने की उम्मीद है। इनमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शामिल हैं। परिवर्तन यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली को संबोधित कर सकते हैं।

पूर्वी कोलकाता की 12,500 हेक्टेयर आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पर विचार

हाई कोर्ट का गृह मंत्रालय को पक्षकार बनाने का निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि में 500 से अधिक अवैध निर्माणों को गिराने के विरुद्ध जन आंदोलनों से निपटने में राज्य सरकार की असमर्थता के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह इस कार्य को पूरा करने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पर विचार कर रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि अवैध रूप से भरे गए दलदली क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माणों को हटाने के लिए पहले दिए गए उसके निर्देशों के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने अभी तक उन्हें ध्वस्त नहीं किया है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि के अंतर्गत आने वाले जल निकायों पर अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने में राज्य सरकार के अधिकारियों की लाचारी को देखते हुए कहा कि अदालत इस कार्य को पूरा करने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पर विचार कर रही है। अदालत ने याचिकाकर्ता को मामले में भारत सरकार को प्रतिवादी के तौर पर पक्षकार बनाने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च की तारीख तय की। बता दें कि पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि प्रबंधन प्राधिकरण (ईकेडब्ल्यूएमए) की वेबसाइट के मुताबिक, कोलकाता के पूर्वी छोर पर स्थित और 12,500 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि सीवेज में पनपने वाली मछलियों के तालाब के सबसे बड़े समूहों में से एक है। न्यायमूर्ति सिन्हा ने स्पष्ट रूप से नाराजगी जताते हुए कहा कि अधिकारियों की ओर से अदालत में कई रिपोर्ट पेश किए जाने के बावजूद आर्द्रभूमि के जीर्णोद्धार के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे और कोई रिपोर्ट नहीं चाहिए, मैं जमीनी स्तर पर काम होते देखना चाहती हूं। अदालत ने कोलकाता नगर निगम और दक्षिण 24 परगना जिले के क्षेत्राधिकार वाले उक्त क्षेत्र में 500 से अधिक अवैध निर्माणों का उल्लेख करते हुए पूछा कि इन्हें ध्वस्त करने एवं आर्द्रभूमि को बहाल करने के लिए क्या किया जा रहा है? जब प्राधिकरण के वकील ने बताया कि इन निर्माणों को अवैध घोषित करते हुए कई आदेश दिये गये हैं, तो अदालत ने कहा कि इन आदेशों को अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करके लागू किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास भट्टाचार्य ने कहा कि पूर्वी कोलकाता स्थित आर्द्रभूमि में अवैध निर्माण कार्य जारी है, जिससे नाजुक पारिस्थितिक संतुलन खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि प्राधिकरण से अनुरोध किया कि वे अदालत के निर्देशों के अनुसार उठाए गए कदमों की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

NAME CHANGE

I, Gopal Kumar Saraf, S/O- Late Jodhraj Saraf, Residing at 75/1, Beadon Street, Kolkata- 700006 have changed my name and shall henceforth be known as Gopal Saraf as declared before the First Class Judicial Magistrate, Kolkata vide affidavit no. 344 dt. 22/05/2012 Gopal Kumar Saraf and Gopal Saraf both are same and identical person.

Name Change

I, Stephanie Anne Chatterton, daughter of Patrick Charles Chatterton and Hilary Mary Chatterton, wife of Brandon Joydeep Pereira, residing at 45 Purbapally, Haltu, Kolkata – 700078, do hereby solemnly affirm and declare that Stephanie Anne Chatterton is my correct name and Stephanie Anne Chatterton and Stephanie Chatterton is one and the same identical person as declared before the First Class Judicial Magistrate, Alipore Court, Kolkata, West Bengal, vide Affidavit No. 30968 dated 20th May 2025

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सं.: एमडी-सीएच-डब्ल्यूपी-आई-ओटी-718, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए चिकित्सा निदेशक/सेंट्रल हॉस्पिटल, दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डन रीच, कोलकाता-700043 द्वारा मदों के सामने उल्लिखित तिथि को 15.00 बजे से पूर्व ई-निविदा आमंत्रित की जाती है एवं 15.30 बजे खोली जाएगी। **कार्य का नाम:** दक्षिण पूर्व रेलवे/सेंट्रल हॉस्पिटल/एसईआर/गार्डन रीच में उन्नत मॉड्यूलर ऑप्थेल्मिक ऑपरेशन थिएटर। **निविदा मूल्य:** रु. 4,48,90,324.64, **बयाना राशि:** रु.3,74,500/- **निविदा कागजात की लागत:** रु. 0, **खुलने की तिथि:** 16.03.2026, **कार्य की समापन अवधि:** 04 (चार) माह। निविदा अनुसूची में कोई भी परिवर्तन, शुद्धिपत्र, संशोधन, यदि कोई हो, केवल ई-निविदा पोर्टल में उपलब्ध होगा और इसे समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। इच्छुक निविदाकार निविदाओं के पूर्ण विवरण/वर्णन विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं और अपनी बोलियाँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में इन कार्यों के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य :** संभावित बोलीदाता सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-1220)

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एमसी_डब्ल्यूसी_कम्पोजिट_सीवाईएलएल_26, दिनांक 17.02.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, पूर्व रेलवे, सियालदह, कक्ष सं. 42, प्रथम तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित निविदा प्रारूप में "एकल पैकेट प्रणाली" के तहत पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/विवरण:** सियालदह मंडल के लिए 6 किलोग्राम एबीसी पाउडर का इस्तेमाल करते हुए कम्पोजिट सिलेंडर फायर एक्सटिंग्यूशर (मेटल स्ट्रैप के साथ) की आपूर्ति एवं फिटमेंट। **निविदा मूल्य :** रु.5,95,89,528/-, **बयाना राशि :** रु. 4,48,000/-, **अनुबंध की अवधि :** 06 माह। **बोली प्रारंभ करने की तिथि :** दिनांक 26.02.2026, **निविदा के बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 12.03.2026 को 13.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 12.03.2026 को 13.00 बजे। ई-निविदा सूचना एवं कार्य के पात्रता मानदंड समेत निविदा कागजात www.ireps. gov.in (वेबसाइट यूआरएल) से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।
SDAH-410/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

बोली सं.: 01एमईडीएलपीकेपीए25-26, दिनांक 20.02.2026, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व रेलवे, काँचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145 द्वारा "02 वर्ष की अवधि के लिए काँचरापाड़ा रेलवे अस्पताल, काँचरापाड़ा की दैनंदिन स्थानीय खरीद के तहत दवाई, सर्जिकल, लैब आइटमों एवं कंज्यूमेबल की आपूर्ति हेतु दर अनुबंध" के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 1,42,71,530.15, **बयाना राशि :** रु.2,85,430/-, **ई-पीबीजी :** पी.ओ. मूल्य का 5%, **खुलने की तिथि और समय :** 06.03.2026 को 15.00 बजे। **समापन अवधि:** 02 वर्ष। निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस साइट (भारतीय रेल का ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल) अर्थात आईआरईपीएस साइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे और दरें आईआरईपीएस साइट अर्थात https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन कोट की जाएंगी एवं ऑनलाइन जमा की जाएंगी।
MED-12/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

NANDIGRAM-II DEVELOPMENT BLOCK
Reapara: Purba Medinipur

Block Development Officer, Nandigram-II Dev. Block, Purba Medinipur invites online Tender Notice against i)Tender Memo no-1168/BDO-N-II/2026, Dated-20.02.2026 for 1(One) No. of Scheme.
Last Date of application for above Tender is 06.03.2026 up to 05:00 P.M.
Details of tender are available in WB Govt.tender site (www.wbtenders.gov.in). Sd/-
Block Development Officer
Nandigram-II Dev. Block

NOTICE INVITING e-TENDER
Ref NIeT No: 439/B.E.U.P./2025-26 Date: 17.02.2026
E-Tender are invited from bonafied resourceful contractors for development works. For Scheme details, other Terms and Conditions please visit www.wbtenders.gov.in
Documents Download Date: From **19.02.2026** to **27.02.2026** up to **15.00 PM.** Bid Submission Date: **19.02.2026** to **27.02.2026** up to **16.30 PM.** Date of Technical Bid Opening: **02.03.2026** at **17:00 PM.**
Sd/-,
Block Development Officer
Chinsurah-Mogra Development Block

NOTICE INVITING e-TENDER
Ref NIeT No: 440/MAME/2025-26 Date: 17.02.2026
E-Tender are invited from bonafied resourceful contractors for development works. For Scheme details, other Terms and Conditions please visit www.wbtenders.gov.in
Documents Download Date: From **19.02.2026** to **27.02.2026** up to **15.00 PM.** Bid Submission Date: **19.02.2026** to **27.02.2026** up to **16.30 PM.** Date of Technical Bid Opening: **02.03.2026** at **17:00 PM.**
Sd/-,
Block Development Officer
Chinsurah-Mogra Development Block

उत्तर रेलवे के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के व्यास नगर एवं काशी स्टेशनों के बीच ब्लॉक हट बी में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण, **दिनांक 26.02.2026 (गुरुवार) को 6 घंटे (09.30 बजे से 15.30 बजे तक) डिस्कनेक्शन ब्लॉक** तथा **3 घंटे 30 मिनट (15.30 बजे से 19.00 बजे तक) सम्पूर्ण ब्लॉक** आवश्यक होगा। फलस्वरूप, ट्रेनों के संचालन में नीचे उल्लेखित व्यवस्थाएँ की गई हैं: ● **नियंत्रण:** (1) 13010 योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.02.2026) मार्ग में 3 घंटे के लिए नियंत्रित की जाएगी। (2) 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.02.2026) मार्ग में 3 घंटे के लिए नियंत्रित की जाएगी। (3) 12381 हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 26.02.2026) पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 1 घंटे के लिए नियंत्रित की जाएगी। ● **मार्ग परिवर्तन:** (1) 15734 बठिण्डा जंक्शन-बालुरघाट फरक्का एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.02.2026) परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन-चुनार जंक्शन-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन होकर चलेगी तथा उन्नाव, लखनऊ, हैदरगढ़, अकबरगंज, निहालगढ़, मुसाफिर खाना, सुल्तानपुर जंक्शन, लम्भुआ, कोइरीपुर, हरपालगंज, श्री कृष्ण नगर, जौनपुर सिटी, जाफराबाद जंक्शन, जलालगंज एवं वाराणसी जंक्शन में नहीं ठहरेगी। (2) 15743 बालुरघाट-बठिण्डा जंक्शन फरक्का एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.02.2026) परिवर्तित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-चुनार जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन-कानपुर सेंट्रल होकर चलेगी तथा वाराणसी जंक्शन, जलालगंज, जाफराबाद जंक्शन, जौनपुर जंक्शन, शाहगंज जंक्शन, मालीपुर, अकबरपुर, गोसाईगंज, अयोध्या धाम, आयोध्या कैण्ट., सोहावल, रुदौली, दरियाबाद, बाराबंकी जंक्शन, लखनऊ एवं उन्नाव में नहीं ठहरेगी। (3) 15668 कामाख्या-गाँधीधाम एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.02.2026) परिवर्तित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-चुनार जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन-कानपुर सेंट्रल होकर चलेगी तथा वाराणसी जंक्शन, अयोध्या कैण्ट. एवं लखनऊ में नहीं ठहरेगी। असुविधा के लिए खेद है।
मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे
हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/602, दिनांक 20.02.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, सियालदह, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम ऑफिस, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/53/25-26/आरआरएसके। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** दमदम जंक्शन/ईएल के एमएसडीएसी ट्रैक खंड के समानांतर डीसी ट्रैक सर्किट प्रदान करके ट्रेन डिटेक्शन सिस्टम का विस्तार। **निविदा मूल्य :** रु.4,82,76,938.03, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.3,91,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** 09 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 06.03.2026, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 20.03.2026 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 20.03.2026 को 14.30 बजे। **विवरण www.ireps.gov.in से देखा जा सकता है। तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** "आउटडोर सिग्नलिंग कार्य से संबंधित किसी भी कार्य" को मौजूदा निविदा कार्य के लिए कार्य की समान प्रकृति के रूप में माना जाएगा। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।
SDAH-411/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

'हम 1,500 नहीं, 3,000 देंगे', चुनाव से पहले मिथुन चक्रवर्ती ने किया ऐलान

❑ भाजपा नेता ने ममता सरकार और उनकी योजनाओं पर बोला हमला

बर्दवान : भाजपा नेता व अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती सोमवार को बर्दवान जिला कार्यालय स्थित प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तृणमूल सरकार और उसकी योजनाओं पर तीखा हमला बोला। मिथुन चक्रवर्ती ने साफ कहा कि फिलहाल सत्ता पूरी तरह पुलिस और प्रशासन के हाथ में है। उन्होंने कहा कि मैं आज एक बेबस इंसान की तरह खड़ा हूं। अगर पुलिस को एक बार निष्पक्ष रहने को कह दिया जाए, तो असली तस्वीर सामने आ जाएगी। उनके मुताबिक, बंगाल में डर का माहौल बनाया गया है, जिसकी वजह से आम लोग खुलकर बोल नहीं पा रहे। युवाओं और महिलाओं को मिलने वाली सरकारी मदद पर भी मिथुन ने सवाल उठाए। उन्होंने 'युवासाथी' और 'लक्ष्मी' भंडार' जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सिर्फ 1500 रुपये देने से युवाओं का भविष्य नहीं सुधर सकता। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आई, तो महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये दिए जाएंगे। मिथुन बोले कि अगर हम सरकार में आए, तो हम 3000 देंगे, हम 1500 क्यों दें? इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से भी अपील की कि वे एकजुट होकर बदलाव के लिए आगे आएं। उनका कहना था कि इस बार महिलाओं का वोट बेहद अहम भूमिका निभाने वाला है। मिथुन ने दावा किया कि भाजपा की सभाओं में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हो रही हैं, जो साफ संकेत है कि लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री के हालिया पत्र का जिक्र करते हुए मिथुन ने कहा कि देश का भविष्य आने वाली पीढ़ी के फैसलों पर निर्भर करता है। उन्होंने 'सोनार बंगला' के सपने को दोहराते हुए कहा कि अगर भाजपा को मौका मिला, तो बंगाल में विकास, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आज बंगाल में युवाओं के पास नौकरी नहीं है, फैक्ट्रियां नहीं हैं और प्रोजेक्ट्स ठप पड़े हैं। इसी वजह से पढ़े-लिखे युवा 1,500 रुपये पाने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। मिथुन ने इसे शर्मनाक स्थिति बताया और कहा कि यह साफ दिखाता है कि राज्य में रोजगार के अवसर कितने कम हो गए हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने भरोसा जताया कि इस बार चुनाव में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

वेतन वृद्धि की मांग पर पैरा-शिक्षकों ने विकास भवन के सामने किया प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में पैरा-शिक्षकों के एक संयुक्त मंच के लगभग 200 सदस्यों ने सोमवार को राज्य शिक्षा विभाग के मुख्यालय के बाहर वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शिक्षक 'संग्रामी जौठा मंच' के सदस्य पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए सड़क पर बैठ गए और राज्य शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु से मिलने की मांग की। सेन्जुति सान्याल ने प्रदर्शनकारियों की ओर से कहा कि पैरा-शिक्षकों को प्रति माह 9,000 से 10,000 रुपये का वेतन मिलता है, जो बहुत कम है। हम मांग करते हैं कि इसे बढ़ाकर 15,000 से 20,000 रुपये किया जाए। राज्य के लेखा अनुदान में घोषित 1,000 रुपये की वृद्धि नगण्य है। उन्होंने कहा कि मंच ने भविष्य निधि और ग्रेच्युटी लाभों की भी मांग की है, साथ ही राज्य सरकार के शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के समान चुनाव संबंधी कर्तव्यों से राहत का भी अनुरोध किया है। बता दें कि राज्य में 67,000 से अधिक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 50,000 से अधिक पैरा-शिक्षक कार्यरत हैं।

हार्पिक ने पेश किया दशक का सबसे बड़ा बाथरूम क्लीनिंग नवाचार

कोलकाता, समाज्ञा : हार्पिक ने बाथरूम सफाई श्रेणी में एक दशक का सबसे बड़ा नवाचार पेश करते हुए नया हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर लॉन्च किया है। कंपनी ने इसके साथ नई कैंपेन 'कैसा भी हो दाग, पूरा बाथरूम अल्ट्रा साफ' की भी घोषणा की। बॉलीवुड फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। रोहित शेट्टी ने कहा, हार्पिक वर्षों से स्वच्छता का भरोसेमंद नाम रहा है। नया अल्ट्रा क्लीनर बाथरूम सफाई को नए स्तर पर ले जाता है। रेकिट साउथ एशिया के मार्केटिंग डायरेक्टर गौतम ऋषि ने कहा कि यह लॉन्च बाथरूम हाइजीन के मानकों को और ऊंचा करेगा तथा उपभोक्ताओं को अधिक प्रभावी समाधान प्रदान करेगा।

गलत प्रश्नों पर वसूली का आरोप, एसएलएसटी मामले में एसएससी को रिपोर्ट देने का हाईकोर्ट का आदेश

कोलकाता : द्वितीय चरण की एसएलएसटी परीक्षा में 24 प्रश्न गलत होने के आरोप के बाद नया कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि प्रत्येक प्रश्न को चुनौती देने के लिए उनसे 100 रुपये प्रति प्रश्न की दर से शुल्क लिया गया। इस निर्णय को चुनौती देते हुए कई अभ्यर्थियों ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि चार सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट अदालत में दाखिल की जाए। अदालत ने पूछा है कि एसएससी ने अभ्यर्थियों से कुल कितनी राशि वसूली, अंततः कितने प्रश्न गलत पाए गए, गलत साबित होने की स्थिति में कितनी राशि वापस की गई, और कुल कितनी आपत्तियां दर्ज हुईं। आयोग को सभी आंकड़े सांख्यिकीय विवरण सहित प्रस्तुत करने होंगे।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एसएससी के नियमों में उत्तर पुस्तिका या प्रश्नों को चुनौती देने के लिए शुल्क लेने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद अभ्यर्थियों से पैसे लेना अवैध है। पारदर्शिता की मांग को लेकर वे अदालत पहुंचे हैं।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद आयोग की भूमिका पर सवाल और तेज हो गए हैं। चार सप्ताह बाद प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर ही अदालत आगे की कार्रवाई तय करेगी।

एसआईआर पर कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में प्रक्रिया पूरी करने की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इसे पूरा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तार्किक विसंगतियों की समस्या लगातार बढ़ रही थी, जिसके चलते पार्टी ने न्यायिक हस्तक्षेप का रास्ता चुना। शुभंकर सरकार ने कहा कि वे एसआईआर पहल का स्वागत करते हैं, क्योंकि हाल के दिनों में प्रक्रिया से जुड़ी तार्किक विसंगतियां गंभीर चिंता का विषय बन गई थीं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया है और वे स्वयं भी इस याचिका में याचिकाकर्ता हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, कार्यकारिणी की बैठक में विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को न्यायालय की निगरानी में पूरा किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के भ्रम या विवाद की स्थिति न बने। सरकार ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता सर्वोपरि होती है। यदि किसी स्तर पर तार्किक या प्रक्रियागत त्रुटियां सामने आती हैं, तो उनका समाधान संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए।

आरजी कर भ्रष्टाचार मामला: संदीप घोष समेत पांच आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

कोलकाता : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को आरजी कर अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व प्राचार्य संदीप घोष सहित पांच आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ ने कहा कि जांच के इस चरण में आरोपियों को जमानत नहीं दी जा सकती।

जिन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की गई है, उनमें संदीप घोष, अफसार अली खान, बिप्लब सिंह, सुमन हाजरा और आशिष पांडे शामिल हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले की गंभीरता और जांच की प्रगति को देखते हुए फिलहाल राहत संभव नहीं है।

इस कथित वित्तीय घोटाले में 2 सितंबर को सबसे पहले संदीप घोष को गिरफ्तार किया गया था। लंबी पूछताछ के बाद सीबीआई ने क्रमशः अफसार अली, बिप्लब सिंह और सुमन हाजरा को गिरफ्तार किया। बाद में आरजी कर अस्पताल के हाउस स्टाफ आशिष पांडे को भी हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसी ने 29 नवंबर को अलीपुर अदालत में पांचों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था।

सीबीआई का आरोप है कि पांचों ने मिलकर अस्पताल के सरकारी कोष से बड़ी रकम का गबन किया। हाईकोर्ट के ताजा आदेश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भ्रष्टाचार मामले में संदीप घोष और अन्य आरोपियों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत केशरा काटजुड़ीडांगा पैसेंजर हॉल्ट का भव्य उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल अंतर्गत केशरा काटजुड़ीडांगा पैसेंजर हॉल्ट का उद्घाटन सोमवार को संपन्न हुआ। क्षेत्रीय रेल नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इस नई सुविधा से स्थानीय निवासियों को सुगम, सुरक्षित और किफायती रेल परिवहन उपलब्ध होगा, जिससे क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। उद्घाटन समारोह में आद्रा के डीआरएम मुकेश गुप्ता ने परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हॉल्ट आसपास के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्य अतिथि बांकुड़ा के विधायक निलाद्री शेखर दाना तथा पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने भी इसे क्षेत्रीय संपर्क और यात्री सुविधा की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। समारोह के दौरान ट्रेन संख्या 68089 (मेदिनीपुर-आद्रा मेमू) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में रेलवे अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। नई सेवा से विद्यार्थियों, कामकाजी लोगों और व्यापारियों को विशेष सुविधा प्राप्त होगी।

पूर्व रेलवे ने सियालदह डिवीजन में तीन मेगा ब्लॉक्स के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्री सुरक्षा और संचालन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से सियालदह डिवीजन में पिछले महीने तीन बड़े 'मेगा ब्लॉक्स' सफलतापूर्वक संपन्न किए। इन ब्लॉक्स के दौरान इंजीनियरिंग और ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक वितरण के कार्यों को अंजाम दिया गया, जिनमें कई कार्य 'शैडो ब्लॉक्स' तकनीक के तहत किए गए, ताकि ट्रेन रुकावट कम हो और काम की उत्पादकता बढ़े। इन सुधारों में सियालदह-बालीगंज, बारासात-बनगांव और कृष्णानगर-लालगोला जैसे महत्वपूर्ण मार्ग शामिल हैं, जो पुरानी रेलवे संपत्तियों के आधुनिकीकरण और रोजाना हजारों यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने में मदद करेंगे।

सियालदह-बालीगंज सेक्शन में 21-22 जनवरी की रात को पार्क सर्कस फुटओवर ब्रिज को हटाया गया और बालीगंज स्टेशन सीमा में डबल स्लिप डायमंड पॉइंट को 52 किलोग्राम से 60 किलोग्राम में अपडेट किया गया। इसके अलावा, डाउन लाइन पर 220 ट्रैक मीटर बालास्ट क्लीनिंग और 440 ट्रैक मीटर डुओ ट्रैक टैम्पिंग मशीन का काम पूरा किया गया। इलेक्ट्रिकल टीम ने 700 मीटर कैटेनरी वायर बदला और ऑटो टेंशनिंग डिवाइस फीडर को आधुनिक ओवरहेड स्टैंडर्ड के अनुसार अपडेट किया।

बारासात-बनगांव सेक्शन में 21-22 फरवरी को ठाकुरनगर में लिमिटेड हाइट सबवे बॉक्स लगाया गया, जिससे गैरकानूनी प्रवेश रोकते हुए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। इस ब्लॉक के दौरान पांच ग्लू जॉइंट्स बदले गए और बनगांव-चांदपाड़ा के बीच 10 एलुमिनो-थर्मिक वेल्ड किए गए। साथ ही, आठ नौ-टन इंसुलेटर भी बदले गए, जिससे ओवरहेड इंफ्रास्ट्रक्चर की विश्वसनीयता बढ़ी।

लालगोला सेक्शन में 22 फरवरी को देबाग्राम-पगला चांदी सेक्शन में लिमिटेड हाइट सबवे बॉक्स लगाया गया। इस ब्लॉक में 1.02 किमी ट्रैक का पूर्ण नवीनीकरण, रेजिनगर स्टेशन में 52 किलोग्राम से 60 किलोग्राम पॉइंट अपडेट और तीन थिक वेब स्विच एक्सपैंशन जॉइंट्स लगाए गए, जिससे रेल की थर्मल विस्तार सहनशीलता और स्थिरता बढ़ी। पूर्व रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, ये मेगा ब्लॉक्स रेलवे के बुनियादी ढांचे की लंबी अवधि की मजबूती और यात्रियों की सुरक्षित, झटके-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण 'सर्जरी' के समान हैं।

आईबीएम ने लखनऊ में शुरू किया एआई गवर्नमेंट टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर

कोलकाता, समाज्ञा : एआई गवर्नमेंट टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस पहल का मकसद आधुनिक शासन प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को मजबूत आधार प्रदान कर प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना है। इस सेंटर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। कार्यक्रम में अरविंद कृष्णा, संदीप पटेल तथा मनिंद्र अग्रवाल सहित राज्य सरकार और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह केंद्र एक साझा मंच के रूप में कार्य करेगा, जहां भरोसेमंद एआई समाधान विकसित, परीक्षण और बड़े पैमाने पर लागू किए जाएंगे। अरविंद कृष्णा ने कहा कि एआई सरकारों की कार्यक्षमता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देगा। इस अवसर पर आईबीएम और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच दो समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिससे राज्य के दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को एआई आधारित प्रशासन से जोड़ा जा सके।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित होगा सैंथिया स्टेशन

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेल पश्चिम बंगाल में रेलवे स्टेशनों के बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं के व्यापक विकास कार्य में जुटी है। राज्य के कुल 101 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान किया जा सके और स्टेशनों को आर्थिक गतिविधियों के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। इसी क्रम में पूर्व रेलवे द्वारा पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले स्थित सैंथिया रेलवे स्टेशन का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सैंथिया स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान किया जाएगा, जबकि इसकी सांस्कृतिक और क्षेत्रीय पहचान को भी संरक्षित रखा जाएगा। हावड़ा-रामपुरहाट-गुमानी रेलखंड पर स्थित यह स्टेशन तीर्थयात्रा, व्यापार, शिक्षा और स्थानीय व्यवसायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। सैंथिया स्टेशन प्रसिद्ध नंदिकेश्वरी मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार भी है, जो देश के पवित्र शक्तिपीठों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां देवी सती का कंठ गिरा था और इस पावन स्थल पर मां शक्ति की पूजा नंदिनी तथा भगवान भैरव की पूजा नंदिकेश्वर के रूप में की जाती है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु, व्यापारी, छात्र, कारीगर और स्थानीय नागरिक इस स्टेशन से आवागमन करते हैं, जिससे आधुनिक एवं यात्री-अनुकूल सुविधाओं की आवश्यकता और बढ़ जाती है। पुनर्विकास योजना के अंतर्गत स्टेशन भवन का नवीनीकरण, आकर्षक फसाड के साथ नए पोर्च का निर्माण, पार्किंग एवं सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, प्लेटफॉर्म शेड और सतह का उन्नयन तथा उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है। बेहतर सुगमता हेतु लिफ्ट की स्थापना, प्रतीक्षालयों का आधुनिकीकरण, शौचालयों का नवीनीकरण, बहुभाषी उन्नत साइनज, कोच पोजिशन डिस्प्ले बोर्ड, दिव्यांगजन-अनुकूल रैंप व सुलभ शौचालय, पेयजल बूथ की स्थापना तथा बेहतर प्रकाश व्यवस्था और आकर्षक फसाड लाइटिंग जैसी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। यह कायाकल्प न केवल श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और संपर्क व्यवस्था को भी सशक्त करते हुए समावेशी और सतत विकास को नई गति प्रदान करेगा।

मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी एम्पलाईज एसोसिएशन का 26वां दिन धरना, कर्मचारियों के निलंबन का विरोध जारी

कोलकाता, समाज्ञा : मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी एम्पलाईज एसोसिएशन की ओर से 9 कर्मचारियों के निलंबन के विरोध में अस्पताल परिसर के बाहर 26वें दिन भी धरना जारी रहा। एसोसिएशन का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन के कथित गलत निर्णय के खिलाफ यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया जा रहा है। धरना स्थल पर आयोजित सभा में कर्मचारियों के साथ हो रहे कथित अन्याय के विरोध में कई लोगों ने अपनी बात रखी।

अपने विचार रखने वालों में राजगृह सिंह, बद्री नारायण मिश्रा, विकास यादव, अजय उपाध्याय, सरोज मिश्रा,सबिन्द्र सिंह, राकेश सिंह, बाबू नंद पांडेय, मुकेश दास, राजेश सिंह, स्वयं प्रकाश राय, छेदी सिंह, प्रेम कुमार सिंह, गोविंद पांडेय, रवि शर्मा, उदय यादव, पवन पांडेय, विजय शर्मा, ऋषभ पांडेय, तिरलोकी नाथ, संजीत सिंह, अजीत साह, मुनेश पांडेय, बृजू चौधरी, गोविंद सिंह, रविंद्र सिंह, अनिल कुमार मिश्र, रणविजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, गोपाल सिंह, राजेश सिंह, अरुण सिंह तथा प्रदीप मिश्र शामिल रहे। सभा में बिजेंद्र प्रसाद सिंह, सरोज मिश्रा, अशोक गुप्ता, महंगू सिंह, शंकर चौधरी, मुकुंद पांडेय, सुरेश सिंह, श्रीराम शर्मा, सुशांत कानारार, अमर चौधरी और बबलू सिंह भी उपस्थित रहे।

प्रबंधन की ओर से कहा गया है कि कुछ शर्तों के आधार पर ही निष्कासित कर्मचारियों को पुनः कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी, और इसके लिए कर्मचारियों को बिना गलती के भी गलती स्वीकार करनी होगी। श्रमिकों ने इस शर्त को अस्वीकार्य बताया है। सिंह ने कहा कि प्रबंधन दबाव बनाकर श्रमिकों को झुकाना चाहता है और अपनी शर्तें मनवाना चाहता है, मैनेजमेंट के तरफ से दलाल सामने लाया जा रहा हैं। जिसे कर्मचारी स्वीकार नहीं करेंगे। यह शांतिपूर्ण धरना संगठन के अध्यक्ष एवं श्रमिक नेता संतोष सिंह की अध्यक्षता में संचालित हो रहा है।

नित्य योग से खुलता है असाध्य रोग मुक्ति का द्वार : डॉ. अग्रवाल

हुगली : हुगली जिले के रिसड़ा बांगुड़ पार्क स्थित रिसड़ा सेवक संघ परिसर में तीन दिवसीय 'हैप्पीनेस कार्यक्रम' का आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के तत्वावधान में किया गया। यह कार्यक्रम श्री श्री रवि शंकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रिसड़ा सेवक संघ की तृतीय मंजिल पर आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. अमिता सिंह एवं बलिया (उत्तर प्रदेश) से आए वरिष्ठ शिक्षक संतोष भैया ने योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया। शिविर सामाजिक, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित रहा। प्रतिभागियों को बेहतर जीवनशैली अपनाने और समाज व राष्ट्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। 'सुदर्शन क्रिया' भी कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा रही।

कार्यक्रम का आयोजन रिसड़ा सेवक संघ के योग विभाग द्वारा सुशील कुमार वर्मा, विजय गुप्ता और रवि शर्मा के सहयोग से किया गया। रिसड़ा योग परिवार के ओम प्रकाश बंसल और प्रदीप मनहोत ने भी सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल और उनकी टीम ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि नियमित योग, प्राणायाम और अध्ययन कई रोगों से मुक्ति का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण मधुमेह, थायरॉयड, उच्च रक्तचाप और मानसिक तनाव जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं, लेकिन नियमित योगाभ्यास से इन पर नियंत्रण पाया जा सकता है। डॉ. सिंह ने कहा कि योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को भी योग के लिए प्रेरित करें, ताकि उनका मानसिक विकास हो और वे मोबाइल व इंटरनेट की लत से दूर रह सकें।

जादवपुर विवि ने झड़प में शिक्षक और छात्रों के घायल होने पर जांच समिति गठित की, सख्त नोटिस जारी

कोलकाता, समाज्ञा : जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) ने सोमवार को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प पर चिंता व्यक्त की, जिसमें बीच-बचाव की कोशिश करने वाले दो शिक्षक और कुछ छात्र घायल हो गए थे। इस दिन, विश्वविद्यालय के कुलपति चिरंजीव भट्टाचार्य ने कहा कि घटना की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा उसके खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि परिसर में गत शुक्रवार को स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और 'वी द इंडिपेंडेंट' (डब्ल्यूटीआई) के सदस्यों के बीच तनाव कम करने की कोशिश के दौरान शिक्षक घायल हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। भट्टाचार्य ने कहा कि एक ही विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा उसके शिक्षकों के साथ मारपीट करना बेहद निंदनीय, अस्वीकार्य और अकल्पनीय है। घटना के बाद विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने एक नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, रात 7 बजे से सुबह 7 बजे के बीच किसी भी उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी वैध पहचान पत्र (आईडी कार्ड) होना अनिवार्य है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर गेट पर दिखाना होगा। नोटिस में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति के पास आईडी कार्ड नहीं है, तो उसे पहचान का कोई अन्य वैध प्रमाण दिखाना होगा। साथ ही, उसे गेट पर रखे रजिस्टर में उस व्यक्ति का विवरण (संपर्क नंबर सहित) दर्ज करना होगा, जिससे वह मिलने जा रहा है। विश्वविद्यालय ने एक नया नोटिस जारी कर स्पष्ट किया कि परिसर के किसी भी हिस्से में नशीले पदार्थों, शराब या अन्य अवैध पदार्थों का उपयोग अथवा कोई भी अवैध गतिविधि पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यदि कोई इन निषेधों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय के नोटिस में सुबह और शाम की सैर सहित अनधिकृत प्रवेश और परिसर को सार्वजनिक मार्ग के रूप में उपयोग करने पर रोक लगा दी गई है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अगले आदेश तक, शाम की कक्षाओं के छात्रों को छोड़कर, विश्वविद्यालय परिसर में रात आठ बजे के बाद किसी भी प्रकार के समूह के एकत्र होने की अनुमति नहीं होगी। नोटिस के अनुसार, पिछले प्रतिबंधों को और कड़ा करते हुए कहा गया है कि केवल उत्सवों और अन्य छात्र गतिविधियों के दौरान इसमें छूट दी जा सकती है, लेकिन उन्हें भी यथासंभव रात नौ बजे तक ही सीमित रखा जाना चाहिए।

जेयू में 'फ्रेशर्स' पार्टी के बाद छात्र पर हमला, अस्पताल में भर्ती

जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में सोमवार की शाम 'फ्रेशर्स' पार्टी के बाद एक स्नातकोत्तर छात्र पर कथित तौर पर हमला किया गया। सूत्रों के मुताबिक, अंग्रेजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्र प्रियम चटर्जी को विभाग की 'फ्रेशर्स' पार्टी स्थल से 'कलेक्टिव (डीएसएफ)' नामक एक समूह के कुछ सदस्यों द्वारा कथित तौर पर घसीटकर ले जाया गया और इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय विभाग के पास पीटा गया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों ने बीच-बचाव किया और छात्र को बचाकर प्रशासनिक भवन 'अरबिंदो भवन' ले गए, जहां कुलपति, समकुलपति और रजिस्ट्रार के कार्यालय स्थित हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रियम चटर्जी कथित तौर पर बेहोश हो गए और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसी समूह के सदस्यों ने कथित तौर पर अरबिंदो भवन का घेराव किया और कुछ समय के लिए लोगों को इमारत में प्रवेश करने या बाहर निकलने से रोक दिया। सूत्रों ने बताया कि संकाय सदस्यों के हस्तक्षेप के बाद, घायल छात्र को इलाज के लिए केपीसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय ने अबतक इस प्रकरण पर कोई बयान जारी नहीं किया।

'आकांक्षी' से 'प्रेरक' राष्ट्र बन चुका है भारत : पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

❑ **पूर्व राष्ट्रपति ने विकसित भारत के आर्थिक विजन पर रखा जोर**
❑ **एमसीसीआई के 125वें वर्ष पर 'इंडिया एट 2047' कर्टेन रेजर समारोह आयोजित**

कोलकाता, समाज्ञा : मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) ने 'इंडियाएट2047: अमृत काल के लिए आर्थिक दृष्टि' विषय पर अपने 125वें स्थापना वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में कर्टेन रेजर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस रहे। यह सत्र सोमवार को शाम 4 बजे कोलकाता के ताज बंगाल स्थित क्रिस्टल हॉल में आयोजित हुआ। अपने संबोधन में राम नाथ कोविंद ने कहा कि भारत एक प्रेरणादायक कहानी है, जहां पिछले एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल के वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था को दोगुना किया है और आज 80 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति ने 'सबका साथ, सबका विकास' कार्यक्रम को भारत के लिए उपयुक्त बताते हुए कहा कि प्रगति एक सतत यात्रा है, न कि कोई अंतिम लक्ष्य। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार में अधिक निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि सरकार पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नवाचार में निवेश कर चुकी है। अब भारत को सर्कुलर इकोनॉमी के विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की मजबूती छोटे व्यवसायों, कारीगरों और उद्यमियों की उद्यमशीलता पर निर्भर करेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को केवल छोटे आपूर्तिकर्ता बनने के बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धी और निर्यातोन्मुख बनना होगा। भारत को केवल डिजिटल तकनीक अपनाने वाला नहीं, बल्कि डिजिटल नेतृत्वकर्ता बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को डेटा, एआई और नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों का वैश्विक केंद्र बनना चाहिए।

श्री कोविंद ने कहा कि भारत एआई का वैश्विक हब बनने की दिशा में अग्रसर है। सरकार डेटा सेंटर इकोसिस्टम में निवेश कर रही है और सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के माध्यम से सच्ची डिजिटल संप्रभुता हासिल करने की दिशा में काम कर रही है। हाल ही में आयोजित एआई समिट में वैश्विक नेताओं की भागीदारी इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 'अमृत काल' में सतत विकास भी शामिल है। पर्यावरणीय और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भारत की ताकत केवल आर्थिक मानकों पर नहीं, बल्कि कौशल विकास, महिला कार्यबल की बढ़ती भागीदारी और समावेशी विकास पर भी निर्भर करेगी। विकसित भारत का निर्माण सामूहिक जिम्मेदारी है और निजी क्षेत्र को निवेश और रोजगार सृजन में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने एमसीसीआई को 125 वर्षों के इतिहास में पहली महिला अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए भी सराहा।

राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने कहा कि 'इंडियाएट2047' का विषय साहस और स्पष्टता के साथ भविष्य की ओर देखने का आह्वान करता है। उन्होंने एमसी-सीआई को पहली महिला अध्यक्ष चुनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह प्रगतिशील सोच और नारी सम्मान का प्रतीक है। एमसीसीआई की अध्यक्ष प्रीति ए. सुरेका ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला केंद्र, हरित एवं सतत विकास का नेता, नवाचार और डिजिटल उत्कृष्टता का केंद्र तथा समावेशी समाज के रूप में विकसित करना लक्ष्य है।

कार्यक्रम का समापन एमसी-सीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुनीश झाझरिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि 'अमृत काल' की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता के 75वें वर्ष से 2047 तक के 25 वर्षीय सफर के रूप में की गई है, जो एक विकसित, समावेशी और वैश्विक रूप से सम्मानित भारत के निर्माण का आह्वान है।

दस दिन में दूसरी बार बुलाई गई कैबिनेट बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द होने वाली है। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर कैबिनेट की बैठक बुलाई है। आगामी गुरुवार को नवान्न में होने वाली यह बैठक महज दस दिनों के भीतर दूसरी कैबिनेट बैठक है, जिसने राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु सरकारी नियुक्तियां और निवेश प्रस्ताव रहने वाले हैं। राज्य के विभिन्न विभागों में खाली पड़े पदों को भरने और नए पदों के सृजन को लेकर सरकार कोई बड़ा और सकारात्मक संदेश दे सकती है। इसके अलावा, औद्योगिक विकास को गति देने के लिए नए निवेश प्रस्तावों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तीय मंजूरी मिलने की भी प्रबल संभावना है।

दक्षिण कोलकाता में ऊंची इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता स्थित एक आलीशान बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर सोमवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आनंदपुर इलाके में स्थित इस रिहायशी इमारत में आग लगने की सूचना सुबह 10.51 बजे पर मिली, जिसके बाद दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। हालांकि, दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही इमारत की आंतरिक अग्निशमन प्रणाली ने आग पर काबू पा लिया था। उन्होंने बताया कि आग एक फ्लैट की रसोई में लगी थी। इस घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, आग दोबारा न भड़के इसके लिए दमकल कर्मियों ने 'कूलिंग' अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

एसआईआर : हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सीईओ व अधिकारियों से मिले

न्यायिक अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

कोलकाता, समाज्ञा

कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कार्य न्यायिक अधिकारियों को सौंपे जाने की पृष्ठभूमि में सोमवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ आंतरिक समन्वय बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि इस बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। सीईओ मनोज अग्रवाल ने लगभग एक घंटे तक चली बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह 'आंतरिक बैठक' थी।

अग्रवाल ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर न्यायिक अधिकारियों का प्रशिक्षण सोमवार की सुबह पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया कई स्थानों पर पहले ही शुरू हो चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि ओटीपी को लेकर कुछ शुरुआती समस्याएं थीं, लेकिन उन्हें दूर कर लिया गया है। बैठक में यह भी तय हुआ कि 200 न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा दी जाएगी। केंद्रीय बलों की तैनाती पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्हें अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया जाएगा, न कि आरक्षित रखा जाएगा।

भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ चलाया 'चार्जशीट' अभियान

शुभेंदु अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती, दिलीप घोष सहित कई नेताओं ने लिया भाग

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में चुनावी बिगुल फूंकते हुए भाजपा ने सोमवार को ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक साथ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ 'चार्जशीट' पेश की। इस अभियान के जरिए भाजपा ने राज्य सरकार के कथित भ्रष्टाचार और विफलताओं को जनता के सामने रखा।

मथुरापुर जिला कार्यालय में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्वयं कमान संभालते हुए चार्जशीट पेश की, जबकि तमलुक के महिषादल में सांसद सौमेंदु अधिकारी ने हुंकार भरी। राज्य के सांस्कृतिक सेल के संयोजक रुद्रनील घोष ने नदिया उत्तर जिले में मोर्चा संभाला, तो वहीं बर्दवान में दिग्गज अभिनेता 'महागुरु' मिथुन चक्रवर्ती की मौजूदगी ने कार्यकर्ताओं में भारी जोश भर दिया। बांकुड़ा में भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक अग्निमित्रा पाल ने तृणमूल शासन पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप पत्र जारी किया। जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शनों के बीच सांगठनिक गतिविधियों में भी तेजी देखी गई। कोलकाता में प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने 'महानगर आवासीय परिषद स्नेह मिलन' कार्यक्रम में हिस्सा लेकर शहरी मतदाताओं से संवाद किया। इसके साथ ही आगामी 'परिवर्तन यात्रा' को लेकर पूरे राज्य में आज महत्वपूर्ण तैयारी बैठकें आयोजित की गईं।

कांथी में अस्पताल की छत से कूदा मरीज, बाल-बाल बचा

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के कांथी उपमंडल अस्पताल में सोमवार की दोपहर एक मरीज अस्पताल की छत से कूदने की घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। हालांकि, उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में बचा लिया गया, लेकिन घटना के बाद मरीजों की सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, करीब 50 वर्षीय उक्त व्यक्ति कुछ दिन पहले अस्वस्थता के कारण अस्पताल में भर्ती हुआ था। इस दिन, दोपहर में अचानक वह अस्पताल की छत पर चढ़ गया और नीचे छलांग लगा दी। अस्पताल कर्मियों के मुताबिक, प्रारंभिक तौर पर इसे आत्महत्या के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। छलांग लगाने के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में उसे उठाकर पुनः अस्पताल में भर्ती कराया।

आरामबाग में भूमिहीनों के फॉर्म वितरण को लेकर भारी तनाव, अफरा-तफरी का माहौल

हुगली : जिले के आरामबाग बीडीओ कार्यालय परिसर में 'युवसाथी योजना' के तहत भूमिहीनों के लिए आवेदन फॉर्म लेने को लेकर मंगलवार को भारी तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। फॉर्म वितरण की सूचना मिलते ही हजारों की संख्या में लोग कार्यालय पहुंच गए, जिससे परिसर में अफरा-तफरी और अव्यवस्था फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फॉर्म लेने के दौरान धक्का-मुक्की, हाथापाई और फॉर्म छीनने की घटनाएं भी सामने आईं। भीड़ इतनी अधिक थी कि कई लोगों को सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई। स्थिति बिगड़ने पर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी हालात नियंत्रित करने में असमर्थ दिखे। बाद में आरामबाग थाने के आईसी राकेश सिंह के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस बल और रैफ को तैनात किया गया, जिसके बाद स्थिति को संभालने की कोशिश की गई। हालांकि, कुछ समय तक हंगामा और भगदड़ की स्थिति बनी रही। दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोग घंटों लाइन में खड़े रहे। कई महिलाएं गोद में बच्चों को लेकर फॉर्म के लिए प्रतीक्षा करती नजर आईं, लेकिन भीड़ के दबाव में कुछ लोग गिर पड़े। कई आवेदकों को बिना फॉर्म लिए ही लौटना पड़ा। घटना के बाद प्रशासन की तैयारियों और व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

श्री राम सेना बंगाल संगठन में कमल सिंह सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

कोलकाता : श्री राम सेना बंगाल संगठन के संस्थापक बिनय कुमार त्रिपाठी एवं कोर कमेटी सदस्यों की उपस्थिति में संगठन के अध्यक्ष पद के लिए कमल सिंह को सर्वसम्मति से चुना गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया तथा श्रीराम के जयकारों के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संगठन की 12 सदस्यीय बॉडी कमेटी के रूप में संस्थापक विनय त्रिपाठी, सुबीर जोशी, शेषनाथ तिवारी, अभिषेक झा, चंदन झा, मदन झा, राज सोनी, कनिष्क पांडे, शक्ति सिन्हा, अभिषेक साहा, दीपक चौहान और विशाल बाजपेयी सहित अन्य सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और संगठनात्मक एकता के संदेश के साथ हुआ।

दरकते रिश्ते-टूटते संबंध और महिलाओं की भूमिका विषय पर विचारोत्तेजक संगोष्ठी आयोजित

❑ **'शादी के बाद बेटियों के जीवन में हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए'**

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में दरकते रिश्ते-टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्तमान सामाजिक परिवेश में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण, संयुक्त परिवारों के विघटन तथा बढ़ते तलाक जैसे गंभीर विषयों पर वक्ताओं ने गहन चिंता व्यक्त करते हुए समाज को सकारात्मक दिशा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य वक्ता रीना तुलस्यान ने कहा कि आज महिलाओं और युवाओं में धैर्य की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जैसे कच्ची मिट्टी को समय पर आकार देकर घड़ा बनाया जाता है, उसी प्रकार बच्चों को बचपन से ही सही-गलत का ज्ञान देना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि विवाह के बाद बेटियों को नए परिवेश में ढलने के लिए समय और स्वतंत्रता देना चाहिए तथा उनके वैवाहिक जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना चाहिए।

रश्मि टांटिया ने कहा कि टूटते रिश्तों को बचाने के लिए बच्चों को प्रारंभ से ही उत्तम शिक्षा और संस्कार देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जिद्दी स्वभाव, व्यावसायिक व्यस्तता और परिवार से दूरी रिश्तों में दरार का कारण बन रही है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संयुक्त परिवार की महत्ता और बुजुर्गों की भावनात्मक आवश्यकताओं से अवगत कराएँ।

जूम के माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग में पारिवारिक संबंधों में दरार गंभीर समस्या बनती जा रही है। उन्होंने महिलाओं की भूमिका को परिवार की रीढ़ बताते हुए उनकी सक्रिय सहभागिता पर बल दिया।

विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. संजय हरलालका ने कहा कि बदलते समय में युवाओं और महिलाओं की भावनाओं को समझना आवश्यक है। राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता ने संचालन करते हुए संवादहीनता, अहंकार और समयाभाव को रिश्तों में बढ़ती दूरियों का कारण बताया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे तथा अंत में संयोजक विष्णु अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कोलकाता में नाबालिग से यौन उत्पीड़न, मकान मालिक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के सरसुना इलाके में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने सोमवार को आरोपित मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता 16 वर्षीय किशोरी है, जो अपने माता-पिता के साथ किराए के मकान में रहती है। मकान मालिक लड़की के पिता का करीबी दोस्त भी था, जिसके कारण उसका घर में आना-जाना सामान्य माना जाता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित तब घर में आता था जब लड़की अकेली होती थी। वह उसे अश्लील वीडियो दिखाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न करता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा, लेकिन परिवार से नजदीकी के कारण किसी को शक नहीं हुआ। जब मामला उजागर हुआ तो पीड़िता के परिजनों ने सरसुना थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बांकुड़ा में परीक्षा देने जा रहे उच्च माध्यमिक छात्र की सड़क हादसे में मौत

बांकुड़ा : सोमवार को परीक्षा देने जा रहे एक छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना बिष्णुपुर-आरामबाग स्टेट हाईवे पर दो नंबर राजशोल चौराहे के पास हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान ज्वेल शेख के रूप में हुई है, जो बांकुड़ा जिले के बिक्रमपुर का निवासी था। वह जुजुर हाई स्कूल का छात्र था और उसका परीक्षा केंद्र राजग्राम हाई स्कूल में पड़ा था। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में वह बाइक से परीक्षा देने जा रहा था। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि रास्ते में बिजली के खंभों से लदे एक छोटे वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ज्वेल गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों की मदद से उसे तुरंत जयपुर ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। आक्रोशित लोगों ने हादसे के विरोध में स्टेट हाईवे को जाम कर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की पूर्व छात्रा सहेली बिश्वास को 1.40 लाख एयूडी की अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की पूर्व छात्रा डॉ सहेली बिश्वास को ऑस्ट्रेलिया-इंडिया स्ट्रैटेजिक रिसर्च फंड (एआईएसआरएफ) के तहत अर्ली एंड मिड-करियर रिसर्चर फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इस प्रतिष्ठित फेलोशिप के अंतर्गत लगभग 1.40 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 90 हजार अमेरिकी डॉलर) की राशि प्रदान की जाती है।

डॉ. बिश्वास हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एचआईटी), कोलकाता के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग की पूर्व छात्रा हैं। वर्तमान में वह ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख वैज्ञानिक संस्था कॉमनवेल्थ वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन (सीएसआईआरओ) में रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। इस फेलोशिप के माध्यम से वह भारत के अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त शोध परियोजनाओं पर काम करेंगी।

एआईएसआरएफ के पांचवें चरण में कुल 12 ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं को यह फेलोशिप प्रदान की गई है। यह कार्यक्रम ऑस्ट्रेलियाई उद्योग, विज्ञान एवं संसाधन विभाग द्वारा वित्तपोषित है। वर्ष 2026 में यह पहल अपने 20 वर्ष पूर्ण कर रही है और भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वैज्ञानिक सहयोग को और सशक्त बना रही है।

डॉ. बिश्वास आईआईटी हैदराबाद के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर इलेक्ट्रोकेमिकल उपकरणों से महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण पर कार्य करेंगी।

संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख डॉ. सुलग्ना चटर्जी ने कहा कि यह उपलब्धि डॉ. बिश्वास की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और हेरिटेज की मजबूत शैक्षणिक परंपरा का प्रमाण है। वहीं, सीईओ प्रदीप अग्रवाल ने इसे हेरिटेज परिवार के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि पूर्व छात्रों की वैश्विक पहचान संस्थान की गुणवत्ता को दर्शाती है। प्राचार्य प्रो. बासब चौधरी ने डॉ. बिश्वास की प्रतिबद्धता और सहयोगात्मक शोध के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि ने न केवल हेरिटेज परिवार, बल्कि पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है।

मजबूरी में भाजपा छोड़ी, बंगाल को बड़ा नुकसान : दिलीप घोष

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय की मौत पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि मुकुल रॉय राज्य के एक वरिष्ठ नेता, टीएमसी के राष्ट्रीय नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री थे। भाजपा नेता ने कहा कि मुकुल रॉय ने राज्य की राजनीति में अहम योगदान दिया और भाजपा में रहने के दौरान भी उनके अनुभव से हमें फायदा हुआ। उन्होंने मजबूरी में पार्टी छोड़ी। वे कुछ समय से बीमार थे और मुझे लगता है कि उन्हें अभी और योगदान देना था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

राज्य में हिंसा रोकने के लिए चुनाव के पूर्व की जा रही केंद्रीय बल की तैनाती : दिलीप घोष

हुगली : भाजपा श्रीरामपुर सांगठनिक कार्यालय में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ चार्जशीट जारी करने पहुंचे भाजपा के पूर्व राज्य अध्यक्ष दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में बंगाल में जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है। बनर्जी ने सिंडिकेट राज, भू-माफिया, कटमनी, हत्या और दुष्कर्म जैसी घटनाओं पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग एसआईआर प्रक्रिया नहीं होने दे रहे हैं, वे निष्पक्ष मतदान भी नहीं होने देना चाहते। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ही हिंसा और भय का माहौल बन जाता है, इसलिए लोगों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बल तैनात किए जा रहे हैं और चुनाव के बाद भी उनकी मौजूदगी रह सकती है।

श्रीरामपुर सांगठनिक जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने राज्य सरकार पर सीमा सुरक्षा को लेकर भी हमला बोला। उनका दावा था कि राज्य सरकार की अनिच्छा के कारण लगभग 900 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ नहीं लग पाई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से अधिकांश कार्य पूरा हुआ है और लगभग 200 किलोमीटर काम शेष है। उन्होंने कहा कि पूर्व में राजनाथ सिंह के प्रयासों और केंद्र से धन भेजे जाने के बावजूद राज्य सरकार ने भूमि उपलब्ध नहीं कराई। जहां बाड़ नहीं है, वहां अवैध गतिविधियां होती हैं और बीएसएफ के लिए निगरानी कठिन हो जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस का सहयोग जरूरी है।

तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के इस आरोप पर कि भाजपा में पैसे देकर टिकट मिलता है, दिलीप घोष ने कहा कि भाजपा में कई स्तर की जांच के बाद ही उम्मीदवार तय किए जाते हैं। उन्होंने दिवंगत नेता मुकुल राय को याद करते हुए कहा कि वे अब हमारे बीच नहीं हैं और उनकी आत्मा की शांति की कामना की। प्रेस वार्ता हुगली सांगठनिक जिला अध्यक्षक सुमन घोष और उपाध्यक्ष राजेश के देखरेख में संपन्न हुई।

विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी को बंगाल की आती है याद : मंत्री शशि पांजा

कोलकाता, समाज्ञा : पीएम मोदी द्वारा राज्य के मतदाताओं के नाम लिखे गए पत्र के बाद राज्य की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। राज्य की मंत्री शशि पांजा ने प्रधानमंत्री मोदी के पत्र पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे वोट बैंक की राजनीति करार दिया और केंद्र सरकार पर बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाया। शशि पांजा ने कहा कि जब भी राज्य में चुनाव नजदीक आते हैं, तभी प्रधानमंत्री को राज्य की याद आती है। हमारा सवाल है कि क्या बंगाल की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है? इससे राज्य के लोगों को अपमानित महसूस होता है। यह पूरी तरह वोट बैंक की राजनीति है। प्रधानमंत्री अपने पत्र में यह लिख सकते थे कि केंद्र सरकार बंगाल को दो लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि देगी। उन्होंने विशेष रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत लंबित भुगतान का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आपने गरीबों का काम छीन लिया। जो पैसा घर बनाने के लिए मिलता है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की भागीदारी होती है, वह भी रोका गया। अगर ऐसा है तो प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में इन मुद्दों का जिक्र क्यों नहीं किया?

❑ **'पीएम को स्पष्ट करना चाहिए कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वालों पर हमला क्यों होता है?'**

मंत्री शशि पांजा ने कहा कि हिंदी के बाद देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा बंगाली है, लेकिन भाजपा शासित डबल इंजन राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वालों पर हमले की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में हिंसा और यहां तक कि खून-खराबा भी हुआ है। प्रधानमंत्री को इस पर भी स्पष्ट करना चाहिए कि बंगाली भाषा बोलने पर हमला क्यों होता है? भाजपा नेताओं के कुछ बयानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कथित तौर पर मछली खाने वालों को लेकर टिप्पणी की थी। बंगाल में मछली खाना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। अगर कहीं मांस की दुकानों को बंद करने या प्रतिबंध लगाने की बात होती है, तो यह लोगों की खान-पान की स्वतंत्रता पर हमला है।

❑ **दिल्ली की सीएम के बयान पर पलटवार, 'पहले दिल्ली की स्थिति पर ध्यान दे'**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बंगाल दौरे और महिला सुरक्षा पर दिए गए बयानों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि दिल्ली को रेप कैपिटल कहा जाता है। जनवरी में सैकड़ों लड़कियों के लापता होने की खबरें आईं। इस पर क्या कदम उठाए गए? दिल्ली में सुरक्षा और आतंकी घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार को पहले राष्ट्रीय राजधानी की स्थिति सुधारनी चाहिए, फिर बंगाल में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाने चाहिए। पांजा ने यह भी दावा किया कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर के मामले में बंगाल की स्थिति दिल्ली से बेहतर है।

न्यूज इन ब्रीफ

राजस्थानः मुस्लिम महिला को दिया कंबल वापस लेने पर भाजपा के पूर्व सांसद की आलोचना

जयपुरः सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया एक कार्यक्रम में मुस्लिम महिला का नाम पता चलने पर उसे दिया गया कंबल वापस लेने की कथित घटना से कांग्रेस के निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस नेताओं के अनुसार जौनापुरिया के व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि उनके द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना एवं अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक और घोर निंदनीय है। यह कतिपय घटना रविवार दोपहर टोंक जिले की निवाई तहसील के करेड़ा बुजुर्ग गांव के मंदिर परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार शुरू में वहां मौजूद महिलाओं को कंबल दिए गए लेकिन बाद में मुस्लिम महिला से कंबल वापस ले लिया।

बिहार के विधायकों ने स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को पांच करोड़ रुपये करने की मांग की

पटनाः बिहार विधानसभा में सोमवार को विभिन्न दलों के विधायकों ने एक स्वर में स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) निधि को मौजूदा चार करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने की मांग की। यह मुद्दा भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रमोद कुमार ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान उठाया। पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक नीरज सिंह 'बबलू' ने भी उनका समर्थन किया। प्रमोद कुमार ने कहा, 'चार करोड़ रुपये की वार्षिक सीमा के साथ मतदाताओं की अपेक्षाओं को पूरा करना कठिन होता जा रहा है। एलएडी निधि से एक बड़ी राशि कर के रूप में कट जाती है। इसका अंतिम संशोधन वर्ष 2023 में हुआ था।

रास्ते देने को लेकर हुए विवाद में वायुसेना जवान और पिता से मारपीट, एक आरोपी गिरफ्तार

बुलंदशहर : बुलंदशहर जिले के जहांगीराबाद क्षेत्र में बारात के दौरान रास्ते देने को लेकर हुए विवाद में भारतीय वायुसेना के एक जवान और उसके शिक्षक पिता से कथित तौर पर मारपीट की गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना 19 फरवरी को अमरगढ़ इलाके की है जब एक सरकारी स्कूल में शिक्षक जितेंद्र और भारतीय वायुसेना में कार्यरत उनका बेटा प्रथम कार से कहीं जा रहे थे। उसने बताया कि कुछ बारातियों के साथ रास्ते को लेकर उन दोनों का विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हाथापाई और मारपीट में बदल गया।

योगी आदित्यनाथ और सिंगापुर के प्रधानमंत्री की मुलाकात

निवेश व बुनियादी ढांचागत संबंधों पर हुई चर्चा

■ योगी आदित्यनाथ को देख उत्साह से भर गया भारतीय समुदाय

सिंगापुरः सिंगापुर की यात्रा पर आए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की और निवेश एवं अवसंरचना विकास में सहयोग पर चर्चा की। सोशल मीडिया पोस्ट में वोंग ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था और सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की कंपनियां उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर लॉजिस्टिक्स, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा विकास में निवेश कर रही हैं और व्यापार और निवेश के और गहरे संबंध बनाने की संभावना है। वोंग ने कहा, ''सिंगापुर और उत्तर प्रदेश के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने तथा व्यापारिक साझेदारियों को बढ़ावा देने के अवसरों पर हमारी अच्छी चर्चा हुई। मैं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को सिंगापुर की सफल यात्रा की शुभकामनाएं देता हूं।' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का दो-दिवसीय सिंगापुर दौरा सोमवार से शुरू हुआ। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री वोंग के साथ विचारों का रचनात्मक आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत-सिंगापुर संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया है, जिससे निवेश, बुनियादी ढांचे के सहयोग और गहन आर्थिक जुड़ाव के नये रास्ते खुल गए हैं। उत्तर प्रदेश हमारे आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा साझा विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।' आदित्यनाथ ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ भी सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत उत्तर प्रदेश-सिंगापुर सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें निवेश सुविधा, बुनियादी ढांचा सहयोग, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। आदित्यनाथ ने कहा, (हमने) माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत-सिंगापुर संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कौशल विकास और प्रशिक्षण को लेकर 34 वर्ष पुराने संस्थान 'इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल एडुकेशन' (आईटीई) द्वारा दी गई विस्तृत प्रस्तुति की भी समीक्षा की।

सिंगापुर दौरे के पहले दिन 19,877 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के पहले दिन ही 19,877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। आधिकारिक बयान के अनुसार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और संस्थाओं ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में 6,650 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव दिया। गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर के लिए 8,000 करोड़ रुपये निवेश की घोषणा की। वहीं प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और एग्री-पीवी परियोजनाओं में 2,500 करोड़ रुपये तथा एवीपीएन लिमिटेड ने 2,727 करोड़ रुपये निवेश की प्रतिबद्धता जताई।बैठकों में छतों पर सौर परियोजनाएं, बैटरी स्टोरेज, ईवी चार्जिंग ढांचा और हरित औद्योगिक पार्क विकसित करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शी नीतियों, त्वरित स्वीकृतियों और बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से निवेशकों को अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है।

पिछले 21 साल की नीतीश सरकार में भी बिहार गरीब और पिछड़ा राज्य बना रहा : तेजस्वी यादव

पटनाः बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि 21 वर्षों के शासन के बावजूद बिहार आज भी देश का सबसे गरीब और पिछड़ा राज्य बना हुआ है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होने के बाद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पिछले 21 वर्षों से राज्य में राजग की सरकार है, लेकिन इस अवधि में बिहार देश का सबसे गरीब राज्य बना रहा। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी, पलायन और गरीबी के मामले में भी बिहार शीर्ष पर है। तेजस्वी ने कहा, निवेश के मामले में बिहार सबसे चौपट राज्य है। प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम है। शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में भी राज्य पिछड़ा हुआ है। बिहार की जनता ने 21 साल तक राजग को मौका दिया, लेकिन आज भी राज्य की गिनती देश के सबसे गरीब राज्यों में होती है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बीते दो दशकों में राज्य में अपराध, भ्रष्टाचार, कुशासन और अफसरशाही में वृद्धि हुई है।

न्यूज अपडेट

झारखंडः बोकारो रेलवे स्टेशन के बाहर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

बोकारो (झारखंड): झारखंड के बोकारो रेलवे स्टेशन के बाहर दो हथियारबंद हमलावरों ने एक व्यक्ति की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने यहां बताया कि रविवार रात करीब नौ बजे बोकारो रेलवे थाना क्षेत्र में एक ऑटो स्टैंड के पास यह वारदात हुई। बोकारो रेल पुलिस थाने के निरीक्षक शंकर प्रसाद ने कहा, 'रविवार रात करीब नौ बजे हमें रेलवे स्टेशन के बाहर गोली चलने की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचने पर हमने देखा कि सचिन यादव नाम के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने उस पर दो गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।' उन्होंने बताया कि घटनास्थल से दो खोखे बरामद किए गए हैं, हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। निरीक्षक ने आगे बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मृतक और हमलावर जबरन वसूली सहित कई आपराधिक गतिविधियों से जुड़े हुए थे।

खुदाई के दौरान ढहा मिट्टी का टीला, तीन महिलाओं की मौत

सोनभद्र (उप्र): सोनभद्र जिले के म्योरपुर क्षेत्र में सोमवार की सुबह खुदाई के दौरान मिट्टी का विशाल टीला ढह जाने से उसमें दबकर तीन महिलाओं की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गईं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि म्योरपुर थाना क्षेत्र में छह महिलाएं किरवानी गांव के जंगल में कच्चे घरों की लिपाई, पोताई में काम आने वाली मिट्टी लेने के लिए गई थीं। उन्होंने बताया कि महिलाएं मिट्टी के एक टीले के पास खुदाई कर रही थीं तभी अचानक टीला ढह गया और महिलाएं मिट्टी में दब गईं। घटना की सूचना मिट्टी खोदने गई एक महिला ने ही ग्रामीणों को दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पांच महिलाओं को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सदीकुन्निशा (30), अनीसा ख़ातून (20) और सीता कुंवर (28) के रूप में हुई है। वर्मा ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में आवश्यक कार्यवाही की है।

यौन शोषण के मुकदमे में फंसे अविमुक्तेश्वरानंद बोले - गिरफ्तारी का विरोध नहीं करूंगा

वाराणसीः ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे। इस बीच, कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप करने की मांग की है। शंकराचार्य ने कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही 'अदालतों' से उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोरवय लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शंकराचार्य ने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा कि अगर पुलिस उन्हें इस मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार करती है तो वह इसका विरोध नहीं करेंगे, क्योंकि जो झूठ है वह अंत में साबित हो जाएगा। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उनके लिए तीन अदालतें हैं।

काशी विद्वत परिषद ने किया वाराणसी के महाश्मशान में 'मसाने की होली' खेले जाने का विरोध

वाराणसी (उप्र): काशी विद्वत परिषद और कुछ अन्य संगठनों ने वाराणसी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट पर आयोजित किये जाने वाले 'मसाने की होली' कार्यक्रम का विरोध करते हुए कहा है कि यह परम्परा शास्त्र सम्मत नहीं है। काशी विद्वत परिषद के सदस्य पंडित विनय पांडेय ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि महाश्मशान में होली खेलना 'शास्त्र सम्मत' नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से कुछ लोग इसका आयोजन कर रहे हैं और इसे प्राचीन परंपरा बता रहे हैं। पांडेय ने कहा कि श्मशान की एक मर्यादा होती है, वह उत्सव मनाने की जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तो युवक-युवतियां श्मशान में 'फूहड़ तरीके से होली खेलकर मर्यादा को तार-तार'' कर रहे हैं।

जोधपुर में शादी से पहले जहर खाने से दो बहनों की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई पुष्टि

जोधपुरः राजस्थान के जोधपुर जिले के मनाई गांव में शुक्रवार सुबह मृत मिलीं दो बहनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर से हुयी मौत मौत का पता चला है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान शोभा (25) और विमला (23) के रूप में हुई है, जिनका शनिवार को विवाह होना था। बृहस्पतिवार रात जब यह घटना हुई तब शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। पुलिस के अनुसार, दोनों बहनें एक निजी स्कूल में काम करती थीं और माना जा रहा है कि वे अपने विवाह के रिश्तों से खुश नहीं थीं। मामले की जांच के तहत पुलिस ने दोनों बहनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं ताकि फोन संबंधित सभी गतिविधियों की जांच की जा सके। पुलिस ने उनके पिता दीप सिंह से भी पूछताछ की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने आत्महत्या की थी या इसमें पारिवारिक विवाद जैसे अन्य कारक शामिल थे।

बिहार का एथेनॉल कोटा शीघ्र बढ़ेगा : उद्योग मंत्री

पटनाः बिहार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य के लिए एथेनॉल कोटा बढ़ाने का आग्रह केंद्र सरकार से किया गया है और इस दिशा में सकारात्मक सहमति बनी है। जायसवाल ने बताया कि कुछ दिन पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत समेत एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की थी। बैठक में राज्य की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एथेनॉल कोटा बढ़ाने पर सहमति बनी है। गायघाट से जदयू के विधायक कोमल सिंह के प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि केंद्र के साथ औपचारिक समझौते के तहत राज्य में 11 समर्पित एथेनॉल संयंत्र संचालित हैं, जबकि आठ अन्य संयंत्र बिना औपचारिक करार के स्थापित हुए हैं।

लखनऊ में डबल डेकर बस पलटने से पांच लोगों की मौत, 14 अन्य घायल

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सोमवार को एक डबल डेकर बस के पलट जाने से उसमें सवार एक महिला और तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कम से कम 14 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निपुण अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। डीसीपी अग्रवाल ने बताया कि इस हादसे में एक महिला, एक पुरुष और तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सोमवार शाम लुधियाना (पंजाब) से मोतिहारी (बिहार) जाने वाली डबल डेकर बस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे वे टोल के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस और प्रशासन की टीम के अलावा एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। डीसीपी अग्रवाल ने कहा, 'इस हादसे में पांच लोगों - एक पुरुष, एक महिला और तीन बच्चों - की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को एसजीपी-जीआई (संजय गांधी स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान) और केजीएमयू (किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय) के ट्रॉमा सेंटरों में भर्ती कराया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।'

समीक्षा धर्म-अध्यात्म

होली से पहले घर से बाहर निकाल दें ये 6 चीजें, घर में रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

होली का पर्व नजदीक आते ही घरों में साफ-सफाई और तैयारियों का दौर तेज हो जाता है। इस बार रंगों वाली होली 4 फरवरी को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, होली से पहले घर की सफाई करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और सुख-समृद्धि का मार्ग खुलता है। वास्तु शास्त्र भी मानता है कि घर में रखी कुछ चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं, जिससे जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए होली से पहले इन वस्तुओं को घर से हटाना बेहतर होता है।

पुराने और फटे जूते-चप्पल

अगर घर में लंबे समय से टूटे या बेकार जूते-चप्पल पड़े हैं, तो उन्हें तुरंत निकाल देना चाहिए। माना जाता है कि ऐसी चीजें घर में दरिद्रता और नकारात्मकता को बढ़ावा देती हैं। इससे आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ सकता है और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

सूखा हुआ तुलसी का पौधा

तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अगर यह पौधा सूख जाए, तो उसे घर में रखना शुभ नहीं माना जाता। सूखी तुलसी नकारात्मकता बढ़ा सकती है, इसलिए इसे हटाकर नया पौधा लगाना बेहतर होता है।

पुराने कपड़े और रंगों

घर में रखे पुराने और अनुपयोगी कपड़ों को जरूरतमंदों को दान करना शुभ माना गया है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। साथ ही, पुराने या खराब हो चुके रंगों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए, क्योंकि ये त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

टूटे शीशे और खराब तस्वीरें

घर में अगर कहीं टूटा हुआ शीशा रखा है, तो उसे तुरंत बाहर कर दें। वास्तु के अनुसार, टूटे शीशे से नकारात्मक ऊर्जा फैलती है और जीवन में बाधाएं आ सकती हैं। इसके अलावा, भगवान की टूटी या खंडित तस्वीरों को भी घर में नहीं रखना चाहिए।

खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान

अगर घर में कोई खराब या बेकार इलेक्ट्रॉनिक सामान पड़ा है, तो उसे होली से पहले हटा देना चाहिए। माना जाता है कि ऐसे उपकरण घर में नकारात्मक प्रभाव बढ़ाते हैं, जिससे स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं।

खंडित मूर्तियां

घर में रखी टूटी-फूटी मूर्तियों को रखना अशुभ माना जाता है। इन्हें सम्मानपूर्वक बहते जल में प्रवाहित कर देना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और शांति का वातावरण कायम होता है।

व्रत - त्यौहार

24.02.2026 : होलाष्टक आरंभ

27.02.2026 : श्री काशी विश्वनाथ श्रृंगार दिवस

01.03.2026 : प्रदोष व्रत

02.03.2026 : होलिका दहन

आज से शुरू होलाष्टक, जानें होली से पहले ये 8 दिन क्यों माने जाते हैं अशुभ

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की सप्तमी 24 फरवरी 2026, मंगलवार को सुबह 7:01 बजे तक रहेगी। इसके बाद जैसे ही फाल्गुन शुक्ल अष्टमी तिथि प्रारंभ होगी, उसी क्षण से होलाष्टक की शुरुआत मानी जाएगी। परंपरा के अनुसार होलाष्टक से लेकर होलिका दहन तक किसी भी प्रकार के शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। हालांकि इस संबंध में अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित हैं, और कई विद्वान इनके पीछे मौसमी व सामाजिक कारण भी मानते हैं। आइए जानते हैं कि होली से पहले आने वाले ये 8 दिन अशुभ क्यों माने जाते हैं।

होलाष्टक क्या है?

धर्मशास्त्रों में फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होलिका दहन तक के आठ दिनों को 'होलाष्टक' कहा गया है। ज्योतिष ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि इन आठ दिनों में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण जैसे मांगलिक कार्यों से परहेज करना चाहिए। 'होलाष्टक' शब्द दो भागों से मिलकर बना है, 'होला' अर्थात होली और 'अष्टक' यानी आठ। इस तरह होली से पहले के आठ दिनों को होलाष्टक कहा जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में नई वस्तु खरीदना या कोई बड़ा शुभ कार्य शुरू करना टाल देना चाहिए।

होलाष्टक की उत्पत्ति से जुड़ी मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार होलाष्टक की शुरुआत एक विशेष घटना से जुड़ी मानी जाती है। कहा जाता है कि जब भगवान शिव ने क्रोधित होकर कामदेव को भस्म कर दिया था, उसी समय से इन आठ दिनों को विशेष माना जाने लगा। इन दिनों को संयम, साधना और आत्मचिंतन का समय माना जाता है। यही कारण है कि सोलह संस्कारों में से अधिकांश संस्कार इस अवधि में नहीं किए जाते। यदि कोई आवश्यक कार्य करना भी पड़े, तो पहले शांति पाठ या विशेष पूजन का विधान बताया गया है।

एक अन्य कथा के अनुसार, इन्हीं आठ दिनों में असुर राजा हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति छोड़ने के लिए अत्याचार किए थे। लेकिन अपार कष्टों के बाद भी प्रह्लाद अपनी भक्ति में अडिग रहे। आखिर में उनकी रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने नृसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का वध किया। इसी घटना की स्मृति में होलिका दहन मनाया जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने होली से पहले आठ दिनों तक गोपियों के साथ रंगोत्सव मनाया था। दुलहंडी के दिन रंगों से भीगे वस्त्र अग्नि को अर्पित किए गए, जिसके बाद यह परंपरा उत्सव के रूप में स्थापित हो गई। इस प्रकार होलाष्टक केवल वर्जनाओं का समय नहीं है, बल्कि यह भक्ति, तैयारी और आत्मसंयम का भी काल है, जो हमें होली के उल्लासपूर्ण पर्व के लिए मानसिक और सामाजिक रूप से तैयार करता है।

होलाष्टक का महत्व

होलाष्टक को होली पर्व की औपचारिक शुरुआत भी माना जाता है। जैसे ही यह काल आरंभ होता है, वैसे ही गांव-शहरों में होलिका दहन की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। यह समय केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रकृति के बदलाव के कारण भी खास माना जाता है। इस अवधि में मौसम बदलने लगता है, सर्दी धीरे-धीरे विदा लेती है और गर्मी का प्रभाव दिखाई देने लगता है। बदलते मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां जरूरी होती हैं, इसलिए भी बड़े आयोजनों से बचने की परंपरा रही है।

चाणक्य ने बताए किसी व्यक्ति के वास्तविक चरित्र की पहचान करने के ये चार संकेत

आज के समय में अक्सर लोगों के इरादों को समझना काफी मुश्किल हो गया है। कई बार व्यक्ति कुछ और कहता है और करता कुछ और है, जिससे यह समझना कठिन हो जाता है कि किस पर भरोसा किया जाए और इस पर नहीं। यह स्थिति नई नहीं है। प्राचीन राजदरबारों में भी सच और झूठ की पहचान करना आसान नहीं था। ऐसे में चाणक्य ने बिना अधिक बातचीत किए ही लोगों को समझने की कला विकसित की। उनकी नीति के अनुसार, इंसान की नीयत उसके व्यवहार, उसकी चुप्पी और उसके दोहराए जाने वाले आचरण से प्रकट होती है। जो व्यक्ति इन संकेतों को पहचानना सीख लेता है, वह सजग और समझदार बन जाता है। आइए जानते हैं कि किसी इंसान की फितरत के बारे में किन संकेतों के देखने अंदाजा लगाया जा सकता है।

स्वार्थ

चाणक्य के अनुसार, किसी व्यक्ति को समझने का सबसे सही समय वह होता है जब उसके सामने कोई स्वार्थ न हो। जब न पुरस्कार की चाह हो, न प्रशंसा की उम्मीद और न कोई निजी लाभ, तब व्यक्ति दिखावा नहीं करता। ऐसे अवसरों पर उसका असली चरित्र सामने आता है। जो बिना निगरानी के जिम्मेदारी निभाता है, जो नुकसान होने पर भी ईमानदारी नहीं छोड़ता, वही अपनी सच्ची नीयत दिखाता है। यदि किसी की अच्छाई केवल लाभ मिलने तक सीमित है, तो वही उसका वास्तविक स्वभाव है।

जिम्मेदारी से बचना

चाणक्य ने टालमटोल को भी एक महत्वपूर्ण संकेत माना। कोई व्यक्ति चाहे कितने भी बड़े वादे करे, लेकिन वह किन बातों से बचता है, यह ज्यादा मायने रखता है। जिम्मेदारी से भागना, स्पष्ट जवाब न देना या कठिन बातचीत से कतराना अक्सर छिपी हुई मंशा की ओर इशारा करता है। इंसान स्वभाव से उन परिस्थितियों से दूर रहना चाहता है जो उसकी योजना या सुविधा के खिलाफ हों। इसलिए बार-बार का टालना केवल कमजोरी नहीं, बल्कि नीयत का संकेत हो सकता है।

तनाव और संकट

तनाव और संकट भी व्यक्ति का असली चेहरा सामने लाता है। चाणक्य मानते थे कि दबाव इंसान को बदलता नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे स्वभाव को उजागर करता है। जब हालात चुनौतीपूर्ण हों, तब देखें कि कोई व्यक्ति ईमानदार रहता है या चालाकी अपनाता है, शांत रहता है या आक्रामक हो जाता है। संकट में दिखने वाला व्यवहार ही गहरी आदतों का प्रतिबिंब होता है।

वफादारी

वफादारी के बारे में भी चाणक्य की सोच स्पष्ट थी। सार्वजनिक प्रशंसा से ज्यादा महत्व इस बात का है कि व्यक्ति निजी तौर पर किसका सम्मान करता है। वह किसकी राय को अहमियत देता है और किसकी सीमाओं का स्वाभाविक सम्मान करता है, यहीं से उसकी प्राथमिकताएं समझ आती हैं। किसी को एक बार की घटना से नहीं आंकना चाहिए। असली नीयत समय के साथ दो-हराए गए व्यवहार में झलकती है। लगातार दिखने वाला आचरण ही सच्चाई का सबसे मजबूत प्रमाण होता है।

कांग्रेस ने द्रमुक से 45 सीट मांगी, सीट बंटवारे पर गतिरोध बरकरार

नयी दिल्ली: कांग्रेस ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) से 45 सीट की मांग की है, हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी पिछले बार की तरह इस बार भी 25 सीट ही देने को तैयार है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य में इस साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव संभावित है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं ने सीट बंटवारे को लेकर स्टालिन से मुलाकात भी की है, लेकिन फिलहाल कोई सहमति नहीं बन पाई है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी की 45 सीट की मांग 2021 के नतीजों की समीक्षा पर आधारित है।

मोदी ने पीएम सूर्यघर योजना के तहत 30 लाख घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाने की सराहना की

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम सूर्यघर योजना के तहत 30 लाख घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाने की सोमवार को सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल ऊर्जा-सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण के लिए सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। मोदी की यह टिप्पणी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी की उस घोषणा के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने सौर ऊर्जा से संचालित भविष्य की ओर एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक सराहनीय उपलब्धि! इस योजना से लाभान्वित होने वाले और छत पर सौर पैनल लगवाने वाले सभी लोगों को बधाई, जिन्होंने बचत, स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। यह योजना ऊर्जा-सुरक्षित, हरित एवं भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों का एक हिस्सा है।'

उच्च न्यायालय तीन सप्ताह में सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी की जमानत याचिका पर फैसला करे: शीर्ष अदालत

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वह 200 करोड़ रुपये के जबरन वसूली मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज की जमानत याचिका पर तीन सप्ताह के भीतर फैसला ले। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पॉलोज की ओर से पेश वकील की इस दलील पर गौर किया कि जमानत याचिका उच्च न्यायालय में एक वर्ष से अधिक समय से लंबित है। शीर्ष अदालत पॉलोज की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें जमानत अर्जी पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया गया है। दिल्ली पुलिस ने चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रवर्तकों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला दर्ज किया है।

पाकिस्तान में रह रहे गैंगस्टर ने गुरदासपुर में पुलिसकर्मियों की हत्या का कथित वीडियो पोस्ट किया

चंडीगढ़: भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक पंजाब के गुरदासपुर में एक जांच चौकी पर दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या किए जाने के एक दिन बाद, पाकिस्तान में रह रहे एक गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक अज्ञात शूटर पुलिसकर्मियों में से एक पर बेहद करीब से गोली चलाते हुए दिखाई दे रहा है। गैंगस्टर शहजाद भट्टी द्वारा पोस्ट किए गए उसी अपुष्ट वीडियो को तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान नामक संगठन ने भी साझा किया, जिसने रविवार को हुई हत्याओं की जिम्मेदारी ली थी। पंजाब पुलिस ने इन दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। अपुष्ट वीडियो में, हथियार पकड़े हुए शूटर को सहायक उप निरीक्षक गुरनाम सिंह पर गोली चलाते हुए देखा जा सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मृत पाए गए दो पुलिसकर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की सोमवार को घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग दो किलोमीटर दूर अधियान में तैनात एएसआई सिंह और होम गार्ड अशोक कुमार के शव रविवार को जांच चौकी में मिले।

भारत चिकित्सा यात्रा को सहयोग का एक ऐसा माध्यम मानता है, जो भरोसे को बढ़ाता है : नड्डा

नयी दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत चिकित्सा यात्रा को सहयोग का एक ऐसा जरिया मानता है जो देशों के बीच भरोसे को बढ़ाता है और लोगों के बीच रिश्ते मजबूत करता है। नड्डा ने एफआईसीसी द्वारा आयोजित 'एडवांटेज हेल्थ केयर - इंडिया 2026' के आठवें संस्करण को डिजिटली संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने एक मजबूत, उच्च गुणवत्ता वाली और वैश्विक स्तर पर समन्वित स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण के लिए व्यापक सुधार किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए परिवर्तन पर जोर दिया। नड्डा ने कहा, सरकार मंत्रालयों, नियामक प्राधिकरणों, मान्यता एजेंसियों और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को मजबूत कर चिकित्सा यात्रा को बढ़ावा देने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा यात्रा कूटनीति व सहयोग के एक साधन के रूप में कार्य करती है। नड्डा ने कहा, हम चिकित्सा यात्रा को सहयोग के एक ऐसे माध्यम के रूप में देखते हैं, जो विश्वास बनाने का काम करती है और देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा यात्रा भारत की वैश्विक स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

नड्डा ने एम्स-भुवनेश्वर में लिवर प्रतिरोपण इकाई का उद्घाटन किया

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को एम्स-भुवनेश्वर में लिवर प्रतिरोपण इकाई का उद्घाटन किया और उन्नत रोबोटिक सर्जरी प्रणाली की औपचारिक शुरुआत की। नड्डा ने डिजिटल रूप से उद्धघाटन करने के बाद कहा कि ये नई सुविधाएं स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को काफी मजबूत करेंगी और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाएंगी, जिससे ओडिशा व पड़ोसी राज्यों के मरीजों को उन्नत, विश्व स्तरीय, जीवन रक्षक उपचार मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संस्थान पहले से ही गुर्दा और अस्थि मज्जा प्रतिरोपण सफलतापूर्वक कर रहा है लेकिन लिवर प्रतिरोपण कार्यक्रम की शुरुआत इस क्षेत्र में उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नया अध्याय व एक प्रमुख उपलब्धि है।

अजित पवार विमान हादसा: रोहित ने सीबीआई जांच की मांग के लिए महाराष्ट्र सरकार पर साधा निशाना

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की कड़ी आलोचना की, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से जांच में केवल देरी होगी। कर्जत-जामखेड से विधायक रोहित पवार की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे की सीबीआई जांच का आदेश देने का अनुरोध किया है। हादसे में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में रोहित पवार ने कहा कि सीबीआई जांच की मांग वाली एक रिपोर्ट पहले ही संबंधित केंद्रीय मंत्रालय, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) और मुख्यमंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है।

रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी: पांच आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई: मुंबई की एक अदालत ने फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई गोलीबारी से जुड़े मामले के पांच आरोपियों को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आदित्य गायकी (19), सिद्धार्थ येनपुरे (20), समर्थ पोमाजी (18) स्वप्निल सकट (23) और आसाराम फसाले को उनकी पुलिस रिमांड की अवधि समाप्त होने पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) न्यायाधीश महेश जाधव के समक्ष पेश किया गया। न्यायमूर्ति जाधव ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए कहा कि पुलिस पहले ही सभी आरोपियों की पर्याप्त हिरासत हासिल कर चुकी है। उन्होंने कहा, इस स्तर पर मुझे लगता है कि पुलिस हिरासत की अवधि बढ़ाने से कोई लाभ नहीं होगा। इसलिए रिमांड रिपोर्ट में नामित सभी आरोपियों को नौ मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है। रोहित शेट्टी की जुहू स्थित नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर एक फरवरी की रात को लगभग 12:45 बजे कम से कम पांच गोलियां चलाई गई थीं। इनमें से एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के शीशे पर जा लगी थी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने राजनाथ सिंह, सीतारमण और नितिन नवीन से मुलाकात की

नयी दिल्ली: मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अलग-अलग मुलाकात की और राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों के दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री लोसी दिखो और नेमचा किपगेन भी मौजूद थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री और उनके दो उपमुख्यमंत्रियों ने उनसे मणिपुर के लिए एक प्रादेशिक सेना बटालियन गठित करने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री ने उन्हें राज्य सरकार के किसी भी प्रयास में रक्षा मंत्रालय की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। चार फरवरी को मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद सिंह ने पहली बार रक्षा मंत्री से मुलाकात की। वित्त मंत्री के साथ अपनी बैठक में, मुख्यमंत्री ने उनसे समावेशी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने बैठक को रचनात्मक बताते हुए राज्य की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनने के लिए सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया। एक अन्य विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीतारमण ने मुख्यमंत्री को राज्य की वित्तीय स्थिति और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया और यह भी भरोसा दिया कि केंद्र आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए सहायता प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने अपने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की और राज्य पार्टी इकाई को मजबूत करने से संबंधित मामलों पर उनसे चर्चा की।

भगवंत मान ने सीमा चौकी पर मारे गए दो पुलिसकर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की

चंडीगढ़: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरदासपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक चौकी में मृत पाए गए दो पुलिसकर्मियों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की सोमवार को घोषणा की। गुरदासपुर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित अदियान गांव में तैनात एएसआई गुरनाम सिंह और होम गार्ड अशोक कुमार के शव रविवार को चौकी के अंदर मिले थे और उनके शरीर पर गोली लगी हुई थीं।

असम-अरुणाचल सीमा पर पहले खंभा लगाया जाना 'ऐतिहासिक उपलब्धि': हिमंत

गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि अंतरराज्यीय सीमा विवाद के समाधान के तहत असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच पहला सीमा खंभा लगाया जाना एक 'ऐतिहासिक उपलब्धि' है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह 'वास्तव में महत्वपूर्ण' है क्योंकि इससे दोनों राज्यों के बीच अंतरराज्यीय सीमाओं को लेकर दशकों से चली आ रही अनिश्चितता का अंत होगा। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा पर पहला खंभा रविवार को सेइजोसा में लगाया गया। शर्मा ने कहा, एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। नामसाई घोषणापत्र पर हस्ताक्षर के बाद असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा पर पहला खंभा पक्के केसांग जिले में लगाया गया है। नामसाई घोषणापत्र पर शर्मा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 15 जुलाई, 2022 को हस्ताक्षर किए थे। घोषणापत्र से असम और अरुणाचल प्रदेश दोनों द्वारा दावा किए गए 123 गांवों में मतभेदों को सुलझाने के उपायों की शुरुआत हुई।

कुंडली नहीं मिलने के कारण शादी से इनकार पर लागू होगी बीएनएस की धारा : उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि विवाह का वादा कर शारीरिक संबंध बनाने के बाद कुंडली मिलान न होने के कारण शादी से इनकार करने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। बीएनएस की धारा 69 कपटपूर्ण तरीकों से यौन संबंध बनाने को अपराध की श्रेणी में रखती है। इन तरीकों में, शादी का झूठा वादा करना, नौकरी या पदोन्नति का झूठा आश्वासन देना, या अपनी पहचान छिपाना शामिल हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने एक ऐसे व्यक्ति को जमानत देने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की, जिस पर एक महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने और बाद में कुंडली मिलान नहीं होने के आधार पर उससे शादी से इनकार करने का आरोप है।

शरद पवार की हालत स्थिर, सेहत में सुधार : चिकित्सक

पुणे: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष शरद पवार की हालत स्थिर है और उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। चिकित्सकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री व मौजूदा राज्यसभा सदस्य पवार को शरीर में पानी की कमी होने संबंधी समस्याओं के कारण रविवार को यहां के रुबी हॉल क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के मुख्य हृदयरोग विशेषज्ञ, अध्यक्ष और प्रबंध न्यासी डॉ. परवेज ग्रांट ने एक बयान में कहा, 'शरद पवार की चिकित्सकीय स्थिति स्थिर है और उनमें लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने तरल पदार्थ और हल्का आहार लेना शुरू कर दिया है, और उनके महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानदंड सामान्य सीमा के भीतर हैं।'

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारत के पहले गवर्नर जनरल राजगोपालाचारी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण की सराहना की

नयी दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्र भारत के पहले और इकलौते भारतीय गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की श्रृंखला का हिस्सा है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने अशोक मंडप के पास राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा नयी दिल्ली में कई इमारतों के मुख्य वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर लगाई गई है। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को मिटाने और भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत, शाश्वत परंपराओं को गर्व से अपनाने तथा भारत माता की सेवा में असाधारण योगदान देने वालों को सम्मानित करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की श्रृंखला का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इस अवसर पर भेजे गए एक संदेश में कहा कि राजाजी और महात्मा गांधी के बीच गहरे आपसी विश्वास और मित्रता से चिह्नित घनिष्ठ संबंध थे जो सर्वविदित है। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उपस्थित लोगों के समक्ष पढ़ा। मोदी ने अपने संदेश में कहा, इसलिए, महात्मा गांधी की प्रतिमा के ठीक सामने राजाजी की प्रतिमा स्थापित करना उचित है। इसके अलावा, यह तथ्य कि राजाजी की प्रतिमा उस स्थान पर स्थापित की जाएगी जहां पहले एडविन लुटियंस की प्रतिमा हुआ करती थी, एक महत्वपूर्ण विवरण है, यह औपनिवेशीकरण की स्मृतियों से मुक्ति का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ किया; पांच गिरफ्तार, नौ करोड़ की गोलियां बरामद

नयी दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने ब्रिटेन से कथित तौर पर जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और नौ करोड़ रुपये मूल्य की 18 लाख से अधिक मन:प्रभावी गोलियां जब्त की हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच में एक संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का पता चला जो लॉजिस्टिक कंपनियों, कूरियर सेवाओं और निर्यात के सामान के जरिए प्रतिबंधित पदार्थों को विदेश भेजता था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विक्रम सिंह ने एक बयान में कहा कि यह मामला पिछले साल सात अक्टूबर का है, जब अपराध शाखा की एक टीम ने विशेष सूचना के आधार पर सरिता विहार में जाल बिछाया था और मोहम्मद आबिद (50) को गिरफ्तार किया तथा उसके पास से 14.472 किलोग्राम वजन की 'ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड' की 54,000 गोलियां बरामद कीं। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई तो पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में पता चला। आबिद ने बताया कि वह ये गोलियां अपने रिश्तेदार के दामाद जावेद खान से लेता था। अधिकारी ने कहा, खान को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान, उसने समाल्का स्थित प्रहलाद लॉजिस्टिक्स के मालिक सुनील कुमार का नाम लिया। सुनील कुमार को पिछले साल दो नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया और उसने विष्णु दत्त शर्मा का नाम आपूर्तिकर्ता के रूप में बताया।

मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने रचा इतिहास, बाफ्टा जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी

नयी दिल्ली: 22 फरवरी को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में 79वें बाफ्टा (ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स) अवार्ड्स आयोजित हुए। कई कैटेगरी में दुनिया भर की फिल्मों को बाफ्टा अवॉर्ड मिले। फरहान अख्तर प्रोड्यूस मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने बेस्ट चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म कैटेगरी में बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड जीता। इस फिल्म को लक्ष्मीप्रिया देवी ने डायरेक्ट किया था।

'बूंग' ने इन फिल्मों को पीछे छोड़ा

मणिपुरी फिल्म 'बूंग' बाफ्टा अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी है। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात है। फिल्म 'बूंग' को फ्रेंच फिल्म 'आर्को', अमेरिकन साइंस फिक्शन कॉमेडी 'लिलो एंड स्टिच' और जूटोपिया 2 जैसी फिल्मों के साथ नॉमिनेट किया गया था। इन फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए 'बूंग' ने बाफ्टा अवॉर्ड अपने नाम किया। यह अवॉर्ड पैडिंगटन बियर ने दिया।

'बूंग' को कई फिल्म फेस्टिवल में सराहा गया

फरहान अख्तर की प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और सूटेबल पिक्चर्स ने फिल्म 'बूंग' को प्रोड्यूस किया है। 2024 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था। फिल्म की कहानी एक गांव के एक लड़के ईद-गिर्द घूमती है। यह कहानी दर्शकों भावुक कर जाती है।

बाफ्टा पुरस्कार मिलना अपार खुशी का क्षण: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि मणिपुरी फिल्म बूंग को प्रतिष्ठित बाफ्टा पुरस्कार मिलना, विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्य के लिए अपार खुशी का क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों को बधाई।

बुलढाणा में शिवाजी की प्रतिमा को लेकर दो गुट के बीच झड़प: 23 लोग गिरफ्तार, निषेधाज्ञा लागू

बुलढाणा: महाराष्ट्र में बुलढाणा जिले के एक गांव में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना को लेकर दो गुट के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस ने 23 लोगों को गिरफ्तार किया है और गांव में लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाते हुए निषेधाज्ञा लागू कर दी है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। बुलढाणा के पुलिस अधीक्षक नीलेश तांबे ने बताया कि लोनार तालुका में चिखला काकड़ गांव के ग्राम पंचायत मैदान में शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर 20 फरवरी को दो स्थानीय नेताओं के समर्थकों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि इस बात को लेकर हुआ विवाद हिंसा में बदल गया था कि प्रतिमा कौन स्थापित करेगा और रविवार को एक बार फिर तनाव बढ़ गया। तांबे ने वीडियो के जरिए जारी बयान में कहा कि पुलिस ने हिंसा के संबंध में 23 लोगों को गिरफ्तार किया है और रविवार शाम को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

तमिलनाडु की अंतिम मतदाता सूची जारी, 74 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए

चेन्नई: निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) की प्रक्रिया के बाद सोमवार को मतदाताओं की अंतिम सूची जारी की, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के तहत 74.07 लाख लोगों के नाम हटाए गए हैं। इसी के साथ इस दक्षिणी राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 5.67 करोड़ रह गई है। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अर्चना पटनायक ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया से पहले राज्य में कुल 6.41 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। पटनायक ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के शुरुआती चरण में 97.37 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। हालांकि, संशोधन और सुनवाई की प्रक्रिया के बाद सूची से 74,07,207 नाम हटाए गए हैं और अंतिम सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 5.67 करोड़ रह गई है। उन्होंने कहा कि 18-19 आयु वर्ग के 7.4 लाख लोगों के नाम पहली बार मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। पटनायक ने बताया कि सूची को निरंतर अद्यतन करने की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से शुरू की जाएगी। पटनायक ने कहा, ''इसके बाद, 19 दिसंबर, 2025 से 30 जनवरी, 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि के दौरान, 27.53 लाख पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े गए और 4.23 लाख अपात्र व्यक्तियों के नाम हटा दिए गए।'

प्रधानमंत्री मोदी और अन्नाद्रमुक अध्यक्ष पलानीस्वामी एक मार्च को मदुरै में संयुक्त रैली करेंगे

मदुरै: तमिलनाडु के मदुरै में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी एक मार्च को संयुक्त रूप से एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता केपी मुनुसामी ने सोमवार को यह घोषणा की। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा आयोजित इस रैली को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले तमिलनाडु में गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व अन्नाद्रमुक कर रही है। इसके घटक दलों में अन्नाद्रमुक के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), पट्टाली मक्कल काची- अंबुमणि (पीएमके-अंबुमणि) और अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) शामिल हैं।

भोजशाला विवाद : अदालत ने एएसआई की रिपोर्ट पर आपत्तियां पेश करने के लिए दो हफ्तों की मोहलत दी

इंदौर: मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने धार के भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर जारी विवाद के मामले में सोमवार को सभी पक्षकारों को अपनी आपत्तियां, राय, सुझाव और सिफारिशें पेश करने के लिए दो हफ्तों की मोहलत दी। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। शीर्ष अदालत ने 22 जनवरी को उच्च न्यायालय को निर्देश दिया था कि वह विवादित परिसर के बारे में एएसआई द्वारा सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट खोले। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पाया कि यह रिपोर्ट पहले ही खोली जा चुकी है और इसकी प्रति पक्षकारों को प्रदान की भी जा चुकी है। युगल पीठ ने रेखांकित किया कि पक्षकारों ने इस रिपोर्ट पर अब तक अपनी आपत्तियां, अभिमत, सुझाव और सिफारिशें अदालत के सामने पेश नहीं की हैं। अदालत ने कहा, 'इस स्थिति के मद्देनजर पक्षकारों को इस रिपोर्ट पर आपत्तियां, अभिमत, सुझाव और सिफारिशें पेश करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी जाती है।'' उच्च न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च की तारीख तय की है। याचिकाकर्ता संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के वकील विनय जोशी ने संवाददाताओं को बताया कि एएसआई ने विवादित परिसर में 98 दिनों के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाद 10 खंडों में 2,000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले पर नजर, इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं: गवर्नर मल्होत्रा

नयी दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले से जुड़े घटनाक्रम पर केंद्रीय बैंक नजर बनाए हुए है और इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने रविवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा हरियाणा सरकार के खातों में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। मल्होत्रा ने केंद्रीय बजट के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को दिए गए पारंपरिक संबोधन के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से कहा, '' हम घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं, इसमें कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है।''

सुरक्षित निवेश की मांग के कारण चांदी 8,000 रुपये चढ़ी, सोना 3,300 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली : डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद बढ़ती वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच मजबूत सुरक्षित-निवेश की मांग के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान चांदी 2.7 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर और सोने का भाव एक लाख रुपये से ऊपर पहुंच गया। सोना 1.6 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी शुक्रवार के 2,64,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 8,000 रुपये या 3.03 प्रतिशत चढ़कर 2,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

केंद्र ने पिछले दो माह में कबाड़ बेचकर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने दिसंबर, 2025 और जनवरी, 2026 में कबाड़ बेचकर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। सोमवार को जारी 'सचिवालय सुधार' रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के 27वें संस्करण में कहा गया कि कुल कमाई में से अकेले जनवरी, 2026 में 115.85 करोड़ रुपये हासिल हुए, जिसमें रेलवे, भारी उद्योग और कोयला मंत्रालय का बड़ा योगदान था।

बैंक गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचना बंद करें, अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें: सीतारमण

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों द्वारा बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि उन्हें (बैंकों को) अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, '' बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जताई है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के बीच फंसा रहा।'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था। इसमें कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे। सीतारमण ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह शब्द 'गलत बिक्री', किसी को ठेस पहुंचाने के बजाय, शब्दकोश में एक और शब्द बनकर रह गया है।'' उन्होंने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है। आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है। इरडा का मानना था कि बैंक उसके प्रत्यक्ष नियमन में नहीं आते। इस नियामकीय अंतर के कारण ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रखकर गृह ऋण लेता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा लेने को क्यों कहा जाता है जबकि जोखिम पहले से 'कवर' होता है। सीतारमण ने दोहराया कि बैंकों को अपने ग्राहकों की जरूरतों, उनकी वित्तीय स्थिति एवं कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंकों का मुख्य कार्य जमा जुटाना एवं ऋण देना है। गैर-बैंकिंग उत्पाद बेचने के बजाय उन्हें कम लागत वाली जमा या कासा (चालू खाता बचत खाता) आधार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। इस बीच, आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमा वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत है जबकि ऋण वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत के आसपास है।

सोने के आयात पर कड़ी नजर, चिंता की कोई बात नहीं

सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के आयात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, हालांकि स्थिति अभी ''चिंताजनक स्तर'' पर नहीं पहुंची है। भारत का सोना आयात अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान मूल्य के लिहाज से लगभग एक अरब डॉलर बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वहीं जनवरी में सोने के आयात के मूल्य और मात्रा, दोनों में अचानक वृद्धि देखी गई है जिसकी समीक्षा केंद्रीय बैंक कर रहा है।

व्हाट्सएप ने न्यायालय से कहा, विज्ञापन संबंधी डेटा पर एनसीएलएटी के निर्देशों का करेंगे पालन

नयी दिल्ली : वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा और उसके त्वरित संदेश मंच व्हाट्सएप ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि वे अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीए-लएटी के उस निर्देश का पालन करेंगे, जिसमें प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा तय गोपनीयता एवं सहमति संबंधी मानकों को विज्ञापन से जुड़े डेटा पर भी लागू करने को कहा गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ दिसंबर, 2025 में आए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीए-लएटी) के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की उस अपील पर भी विचार कर रही है जिसमें एनसीएलएटी द्वारा व्हाट्सएप और मेटा को विज्ञापन उद्देश्यों के लिए उपयोगकर्ताओं का डेटा साझा करने की अनुमति दिए जाने को चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्थगन की मांग वाली याचिकाएं एनसीएलएटी के 15 दिसंबर, 2025 के आदेश के उस हिस्से पर रोक चाहती हैं, जिसमें सीसीआई के निर्देशों का पालन करने को कहा गया था। व्हाट्सएप का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अपीलकर्ता कंपनियां 16 मार्च तक न्यायाधिकरण के निर्देशों को लागू करने का फैसला किया है। इस पर पीठ ने स्थगन याचिकाएं खारिज करने के साथ यह स्पष्ट किया कि मुख्य अपील में उठाए गए मुद्दों पर इससे कोई असर नहीं होगा। अदालत ने कंपनियों से अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी। शीर्ष अदालत इन कंपनियों की उस अपील पर सुनवाई कर रही है, जिसमें प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा व्हाट्सएप की गोपनीयता नीति के मामले में 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाए जाने को चुनौती दी गई है।

शुल्क पर अमेरिकी अदालत के फैसले से शेयर बाजार उत्साहित, सेंसेक्स 480 अंक चढ़ा

मुंबई : अमेरिका में व्यापक शुल्क आदेश रद्द होने से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वाहन और वित्तीय शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 480 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में 142 अंक की तेजी दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय की तरफ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल जारी व्यापक शुल्क आदेशों को अवैध घोषित कर दिए जाने के बाद निवेशक धारणा में सुधार देखा गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 479.95 अंक यानी 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक चढ़कर 83,486.15 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 141.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,713 अंक पर बंद हुआ। दिन में एक समय यह 200.2 अंक चढ़कर 25,771.45 अंक तक चला गया था।

सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 2.98 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो में भी बढ़त रही। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एच-सीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, टाटा स्टील और इंडिगो के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

'भारत टैक्सी' मंच से जुड़े चालकों के लिए आधार किराया तय किया जाएगा: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' अपने मंच से जुड़े सभी चालकों (ड्राइवर) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए जानबूझकर चालक के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है। शाह ने दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के कैब एवं ऑटो चालकों के साथ एक टाउन हॉल चर्चा में कहा कि इस सहकारी सवारी मंच के मुनाफे का 80 प्रतिशत हिस्सा ड्राइवर को उनके द्वारा तय की गई दूरी (किलोमीटर) के आधार पर लौटाया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत सहकारी पूंजी के रूप में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि तीनों एग्रीगेटर कंपनियों से चालकों के लिए न्यूनतम आधार दर तय करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने नकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। आपका जो भी व्यवसाय होगा, उसकी न्यूनतम आय तय होगी और उससे अधिक जो भी होगा, वह आपको वापस मिलेगा। सहकारिता मंत्री ने 'भारत टैक्सी' की तुलना दुग्ध सहकारी संस्था अमूल से करते हुए इसे बड़े पैमाने पर श्रमिक-स्वामित्व वाले उद्यम का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 36 लाख माताओं-बहनों ने 50-50 रुपये का निवेश कर अमूल ब्रांड को खड़ा किया था जिसका आज 1,25,000 करोड़ रुपये का कारोबार है। निजी डेयरी में मुनाफा मालिक के पास जाता है, जबकि अमूल में 85 प्रतिशत उत्पादकों को लौटता है। भारत टैक्सी भी आवागमन के क्षेत्र में यही अवधारणा है। उन्होंने बताया कि चालक 500 रुपये का शेयर लेकर इसमें सह-मालिक बन सकते हैं और सदस्य संख्या बढ़ने के साथ निदेशक मंडल में चालकों के लिए भी सीटें आरक्षित होंगी। शाह ने कहा कि 'भारत टैक्सी' का लक्ष्य दो साल में 15 करोड़ चालकों को जोड़ने और तीन वर्षों में नगर निगम वाले सभी शहरों तक विस्तार का है। फिलहाल यह टैक्सी सेवा दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के राजकोट में शुरू की गई है। उन्होंने स्वीकार किया कि पूर्ण लाभ-वितरण मॉडल को सक्रिय होने में तीन वर्ष तक का समय लग सकता है और इसके लिए उन्होंने चालकों से धैर्य रखने की अपील की। इस ऐप में 'सारथी दीदी' नामक सुविधा भी जोड़ी जाएगी, जिसके तहत अकेले यात्रा करने वाली महिलाएं महिला चालकों को प्राथमिकता दे सकेंगी। शाह ने कहा कि मंच पर चालकों के लिए ऑनलाइन, भौतिक और कॉल सेंटर- तीन माध्यमों वाला एक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाएगा। सभी नीतिगत बदलाव कम-से-कम एक सप्ताह पहले ऐप के माध्यम से सूचित किए जाएंगे।

सात लाख से अधिक निष्क्रिय पीएफ खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द लौटाने की तैयारी

नयी दिल्ली : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सात लाख से अधिक निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द ही संबंधित खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाए जाएंगे। यह जानकारी सोमवार को एक आधिकारिक सूत्र ने दी। सूत्र ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की हाल में हुई एक समीक्षा बैठक में 7.11 लाख निष्क्रिय खातों के निपटान का निर्णय लिया गया। इनमें से हरेक खाते में 1,000 रुपये या उससे भी कम राशि शेष है। ईपीएफओ को वह खाता निष्क्रिय माना जाता है, जिसमें 36 महीने से अधिक समय तक कर्मचारी या नियोक्ता की ओर से कोई अंशदान जमा नहीं हुआ हो। सूत्र ने कहा कि कुल 31.86 लाख निष्क्रिय ईपीएफ खातों में 10,903 करोड़ रुपये जमा हैं। इनमें से 1,000 रुपये तक के बैलेंस वाले सात लाख खातों में 30.52 करोड़ रुपये की राशि है, जिसे प्राथमिकता के आधार पर लौटाया जाएगा। सूत्र के मुताबिक, आधार से जुड़े खातों में यह पीएफ राशि सीधे संबंधित बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। खाताधारक की मृत्यु हो जाने की स्थिति में भुगतान नामित व्यक्ति या वैध उत्तराधिकारी को किया जाएगा। मंत्रालय के स्तर पर ईपीएफ के सभी निष्क्रिय खातों के चरणबद्ध निपटान की प्रक्रिया जारी है।

त्योहारों पर हवाई किराये में बढ़ोतरी के मुद्दे पर गौर कर रहा नागर विमानन मंत्रालय: केंद्र

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि हवाई किरायों और संबद्ध शुल्कों में निजी एयरलाइन कंपनियों के स्तर पर मनमाने ढंग से किए जाने वाले बदलावों पर लगाम लगाने के मुद्दे को लेकर नागर विमानन मंत्रालय सक्रियता से विचार कर रहा है। एक जनहित याचिका में उठाए गए इस मुद्दे को शीर्ष अदालत ने 'बहुत गंभीर चिंता' का विषय बताते हुए केंद्र को निर्णय प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा, यह अत्यंत गंभीर मुद्दा है। अगर ऐसा नहीं होता तो हम अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं स्वीकार नहीं करते। केंद्र की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने कहा कि मंत्रालय को जवाब दाखिल करने के लिए कम-से-कम तीन सप्ताह की जरूरत है, क्योंकि याचिका में उठाए गए पहलुओं पर सक्रिय विचार-विमर्श चल रहा है। पीठ ने यह दर्ज किया कि मंत्रालय ने इस मामले को संज्ञान में लिया है। मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। इससे पहले 19 जनवरी को शीर्ष अदालत ने त्योहारों और आपात स्थितियों के दौरान हवाई किरायों में बेतहाशा बढ़ोतरी को 'शोषण' करार देते हुए केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से जवाब मांगा था। उच्चतम न्यायालय ने 17 नवंबर को इस मामले में केंद्र, डीजीसीए और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) को नोटिस जारी किए थे। सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने इस याचिका में नागर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र एवं सशक्त नियामकीय व्यवस्था बनाने की अपील की है।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने पर्थ अज़ूरी को हराया

नयी दिल्ली : भारत की सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम ने सोमवार को पर्थ के मैसेडोनिया पार्क में खाली स्टेडियम में हुए मैत्री फुटबॉल मैच में पर्थ अज़ूरी को 7-2 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीम पर्थ अज़ूरी ने पेनल्टी के जरिए शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी लेकिन इसके तुरंत बाद डांगमेई ग्रेस ने भारत को बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने विरोधियों को पछाड़ दिया। डांगमेई ने दूसरे हाफ की शुरुआत के कुछ ही मिनटों बाद भारत को बढ़त दिला दी। रिम्पा हलधर और बबीना देवी लिशाम ने गोल करके स्कोर 4-1 कर दिया। पर्थ अज़ूरी ने एक और गोल दागा लेकिन भारत के लिए काविया पक्कीरिसामी ने एक और संगीता बासफोर ने दो और गोल किए।

बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंदा

मुंबई : वेस्ट इंडीज ने अंतरराष्ट्रीय टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से करारी शिकस्त दी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह जीत हासिल हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 254 रन का विशाल योग खड़ा किया। शिमरोन हेटमायर ने 34 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें सात छक्के और सात चौके शामिल रहे। रोवमैन पावेल ने 35 गेंद में 59 रन बनाए। दोनों के बीच

तीसरे विकेट के लिए 122 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 31 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत खराब रही और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। पूरी टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन ने तीन विकेट चटकाए। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 43 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और टीम को भारी पराजय झेलनी पड़ी।

अति आत्मविश्वासी भारत को अहं त्याग कर परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए: गावस्कर

अहमदाबाद : अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी के कारण सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबले में 76 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। गावस्कर ने जिओ स्टार से कहा, ''भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ।'' दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था लेकिन इसके बाद मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका सात विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई।

विश्व कप के बाद पहले वनडे में भारतीय महिला टीम की नजरें आस्ट्रेलिया को फिर हराने पर

ब्रिसबेन : टी20 श्रृंखला जीत चुकी मौजूदा विश्व चैम्पियन भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मैच में मंगलवार को आस्ट्रेलिया से खेलेगी तो उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। भारत ने पिछले साल नवी मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था। यह श्रृंखला इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आस्ट्रेलिया की महानतम खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली इसके बाद वनडे प्रारूप से विदा लेने जा रही हैं। भारत के खिलाफ छह मार्च से पर्थ में शुरू हो रहा टेस्ट उनके कैरियर का आखिरी

मैच होगा। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर रहने के बाद हीली की वापसी हुई है। भारत ने श्रृंखला 2 . 1 से जीती जो पिछले एक दशक में इस प्रारूप में आस्ट्रेलिया में श्रृंखला में उसकी पहली जीत थी। स्टार लेग स्पिनर अलाना किंग भी वनडे और टेस्ट टीम में लौटी हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रहे एक बल्लेबाज को बाहर कर सकती है भारतीय टीम

अहमदाबाद : भारतीय टीम प्रबंधन खराब फॉर्म में चल रहे तीन में से कम से कम एक बल्लेबाज को बाहर कर सकता है जबकि शीर्षक्रम में कई खब्बू बल्लेबाजों को उतारने की अपनी रणनीति की भी समीक्षा करेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी रियान टेन डोइशे और सितांशु कोटक ने यह संकेत दिये। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में भारत को 76 रन से हराया। अब भारत को अगले दोनों मैच जीतने होंगे लिहाजा टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा (चार मैचों में 15 रन) और तिलक वर्मा (पांच मैचों में 107 रन) के प्रदर्शन पर विचार करना होगा। रिंकू सिंह भी फिनिशर की भूमिका नहीं निभा सके हैं और 29 गेंदों में 82 . 75 की स्ट्राइक रेट से 24 रन बनाये हैं। बल्लेबाजी कोच कोटक ने कहा ,'' अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ अलग करना होगा तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा।'' उन्होंने कहा ,'' अब हम ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं कि हमें यह सोचना होगा कि कुछ अलग करना है या उसी संयोजन से काम करना है।'' वहीं टेन डोइशे ने स्वीकार किया कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों का अभाव चिंता का विषय है। उन्होंने कहा ,'' या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं , भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और शीर्षक्रम में दाहिने हाथ का बल्लेबाज होने से भी मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा ,'' अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में अगले कुछ दिन में बात की जायेगी।'' केकेआर के पूर्व हरफनमौला ने कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म टीम के लिये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा ,'' मैं अभि या तिलक के लिये बहाना नहीं बनाऊंगा। उन्हें बहानों की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि पेट के संक्रमण से अभिषेक की तैयारियों पर काफी असर पड़ा है और वह वैसे नहीं खेल पा रहा, जैसे खेलना चाहिये था।'' यह पूछने पर कि उसे क्या सलाह देंगे, कोटक ने कहा ,'' बल्लेबाजी कोच होने के नाते मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की बजाय उसके दिमाग को व्यवस्थित रहने दें। दो दिन में आप कुछ बदल नहीं सकते बल्कि जरूरत से ज्यादा सलाह देने से उसका आत्मविश्वास हिल सकता है। उसे अभी गेंद को देखकर अपनी पारी को बेहतर बनाना होगा।''

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का उद्घाटन हुआ

गुलमर्ग : जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को यहां मशहूर स्की रिसॉर्ट में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के छठे सत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। सिन्हा ने कहा कि गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल एक सामान्य खेल प्रतियोगिता से एक राष्ट्रीय महोत्सव में बदल गए हैं। उन्होंने कहा, ''खेलो इंडिया शीतकालीन खेल शांति, बराबरी और भाईचारे की खेल भावना के आदर्शों को फिर से जिंदा करते हैं। हमारे जीवंत, अलग-अलग तरह की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं वाले देश में गुलमर्ग में शीतकालीन खेल एक वैश्विक भाषा और साझी विरासत के तौर पर काम कर रहे हैं।'' भारत के सबसे बड़े शीतकालीन खेल स्थल पर पूरे भारत से इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब एक हजार खिलाड़ी और अधिकारी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे।

वर्ष 10, पूर्णांक 3513 अंक 323 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वाग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in